दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

.वर्ष 54/ अंक 254/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर एन आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 19 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

एमपी में गर्मी का टॉर्चर...
पारा @44° पार
सीजन में पहली बार 28 शहरों में तपिश बढ़ी

सांध्यप्रदकाश, भोपाल। मध्यप्रदेश में गर्मी के तीखे तेवर देखने को मिल रहे हैं। शुक्रवार को सीजन में पहली बार दिन का पारा 44 डिग्री के पार पहुंच गया। खजुराहो, गुना और नौगांव सबसे ज्यादा गर्म रहे। यहां पारा 44 डिग्री या इससे अधिक रहा। वहीं, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन-जबलपुर समेत 28 शहर ऐसे रहे, जहां सबसे ज्यादा तपिश रही। अगले 3 दिन तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, गर्म हवाओं की वजह से पारे में बढ़ोतरी हुई है। सुबह से ही सूरज की तेज धूप चुभने लगती है। दोपहर 12 बजे के बाद गर्मी बढ़ जाती है। इस कारण दिन के साथ रातें भी गर्म हैं।

प्रदेश में सबसे गर्म रहा छतरपुर

शुक्रवार को छतरपुर जिला सबसे गर्म रहा। यहां के दो शहर खजुराहो और नौगांव में पारा क्रमश 44.6 डिग्री और 44 डिग्री दर्ज किया गया। गुना में 44.3 डिग्री रहा। इसी तरह रतलाम, सागर-सीधी में 43.8 डिग्री, दमोह में 43.6 डिग्री, सतना-शाजापुर में 43.1 डिग्री, नर्मदापुरम-रीवा में 42.6 डिग्री, टीकमगढ़ में 42.3 डिग्री, शिवपुरी-रायसेन में 42 डिग्री, मंडला में 42 डिग्री, धार में 41.9 डिग्री, उमरिया में 41.7 डिग्री, खरगोन में 41.4 डिग्री, मलाजखंड में 41 डिग्री, सिवनी में 40.4 डिग्री, बैतूल में 40.2 डिग्री, खंडवा में 40.1 डिग्री और छिंदवाड़ा में पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रदेश के बड़े शहर- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर भी सीजन के सबसे गर्म रहे। ग्वालियर में सबसे ज्यादा 43 डिग्री, उज्जैन में 42.8 डिग्री, भोपाल में 42.2 डिग्री, जबलपुर में 42.1 डिग्री और इंदौर में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, 28 शहरों में पारा 40 डिग्री या इससे अधिक रहा। ऐसा सीजन में पहली बार हुआ, जब इतने अधिक शहरों में भीषण गर्मी पड़ी हो।

3 दिन बाद पारे में गिरावट

मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि तीन दिन के बाद पारे में हल्की गिरावट हो सकती है, लेकिन इससे पहले भीषण गर्मी रहेगी।

जम्मू-कश्मीर और दिल्ली में भूकंप के झटके, अफगानिस्तान में था केंद्र-तीव्रता 5.8

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में फिर एक बार भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। पुंछ में लोगों के घर का सामान इतनी तेजी से हिलने लगा कि वे दहशत में आ गए और घरों से बाहर निकल गए। भूकंप शनिवार दोपहर 12 बजकर 17 मिनट पर आया। जिसका केंद्र

अफगानिस्तान में था और इसका असर जम्मू-कश्मीर में भी दिखा। राजधानी दिल्ली में भी झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.9 रही है। भूकंप से किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। साथ ही पाकिस्तान की धरती भी कांपी है। यहां शनिवार को 5.9 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय भूकंपीय निगरानी केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र के पास 94 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में लोग घरों से बाहर निकल आए, लेकिन स्थिति सामान्य रही।

मॉब लिंचिंग पीड़ितों के लिए एक समान मुआवजा जरूरी, सुप्रीम कोर्ट 23 अप्रैल को करेगा अहम सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 23 अप्रैल को एक अहम याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें भीड़ हिंसा (मॉब लिंचिंग) और घृणा अपराधों के पीड़ितों को मुआवज़ा देने में समानता (एकरूपता) लाने की मांग की गई है। यह याचिका इंडियन मुस्लिम्स फॉर प्रोग्रेस एंड रिफॉर्म्स नामक संगठन ने दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2023 में इस पर केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से जवाब मांगा था। याचिका में कहा गया है कि 2018 के तहसीन पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मॉब लिंचिंग के मामलों पर कड़ी टिप्पणी करते हुए पीड़ितों के परिवारों को मुआवज़ा देने की बात कही थी। लेकिन अब तक कुछ राज्यों ने अलग-अलग योजनाएं बनाई हैं, जिनमें कोई समानता नहीं है, और कई राज्यों ने तो ऐसी कोई योजना अब तक बनाई ही नहीं है।

दिल्ली में 4 मंजिला इमारत गिरी, 6 की मौत, 10 मलबे में फंसे, रेस्क्यू जारी

नई दिल्ली। मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि आज दोपहर तक 10 से ज्यादा लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक, हादसे में 22 से ज्यादा लोग मलबे में दब गए थे। अब तक 14 लोगों को रेस्क्यू कर जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने 6 को मृत घोषित कर दिया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा

गुप्ता ने कहा कि मुस्तफाबाद में इमारत गिरने की दर्दनाक घटना से मन अत्यंत व्यथित है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर एनडीआरएफ और दिल्ली पुलिस की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। डिविजनल फायर ऑफिसर राजेंद्र अटवाल ने बताया कि देर रात करीब 2.50 बजे एक मकान ढहने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि पूरी बिल्डिंग ढह गई है और लोग मलबे में फंसे हुए हैं। पुलिस के साथ मिलकर बचाव अभियान चलाया है। दरअसल, शुक्रवार रात दिल्ली में मौसम ने करवट ली थी। तेज बारिश और आंधी-तूफान के चलते कई इलाकों में नुकसान हुआ।

सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी

सुरक्षा, व्यापार, निवेश समेत कई विषयों पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22-23 अप्रैल को दो दिवसीय सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2016 और 2019 के बाद प्रधानमंत्री की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा होगी। यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री की सितंबर 2023 में जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने और भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता के लिए नई दिल्ली की राजकीय यात्रा के बाद की गई है। रियाद में प्रधानमंत्री पीएम मोदी और प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी। इसमें कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर नये समझौते होने की संभावना है। इसके अलावा दोनों नेता क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे जिनमें इज़रायल फिलिस्तीन संघर्ष और भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरीडोर (आईमैक) को आगे बढ़ाने के मुद्दे शामिल हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सऊदी अरब के सामाजिक-सांस्कृतिक और व्यापारिक संपर्कों के लंबे इतिहास के साथ घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। रणनीतिक साझेदार के रूप में दोनों देश राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और लोगों के बीच संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत द्विपक्षीय संबंध साझा करते हैं। सऊदी अरब के साथ भारत के संबंध पिछले दशक में एक मजबूत और स्थायी साझीदारी के रूप में विकसित हुए हैं तथा बढ़ती निवेश प्रतिबद्धताओं, रक्षा सहयोग को व्यापक बनाने और सभी क्षेत्रों में गहन उच्च स्तरीय आदान-प्रदान के साथ कई रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार हुआ है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री की यात्रा सऊदी अरब के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को भारत के महत्व को दर्शाती है। यह हमारी बहुआयामी साझीदारी को और गहरा और मजबूत करने के साथ-साथ आपसी हित के विभिन्न क्षेत्रीय और अंतर्राष्टीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

वर्ल्ड लिवर डे पर प्रधानमंत्री ने की सेहतमंद भारत बनाने की अपील

नई दिल्ली। आज वर्ल्ड लिवर डे के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और ध्यानपूर्वक खाना खाने की अपील की। पीएम मोदी ने लोगों को मोटापे की समस्या के प्रति भी जागरुक किया। दरअसल वर्ल्ड लिवर डे (विश्व यकृत दिवस) के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक मुहिम शुरू की है, जिसमें लोगों से अपने खाने में 10 प्रतिशत तेल कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे लेकर सोशल मीडिया पोस्ट किया, जिस पर स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने प्रतिक्रिया दी। नड्डा ने लिखा कि छोटे कदम बड़ा बदलाव ला सकते हैं अगर हम खाने को दवाई की तरह खाएं। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के बाद मोटापे को लेकर भी जागरूकता बढ़ाई जा रही है क्योंकि मोटापे का समाज पर गहरा असर पड़ रहा है।

कानपुर में पीएम मोदी डिफेंस कॉरिडोर रोड का करेंगे शिलान्यास

कानपुर। डिफेंस कारीडोर तक पहुंच को आसान बनाने के लिए सरसौल के नर्वल मोड़ से डिफेंस नोड तक फोरलेन रोड बनाई जाएगी। इस सड़क का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 24 अप्रैल को करेंगे। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर शिलान्यास की तैयारी में जुट गए हैं। शासन ने बीते माह ही सड़क निर्माण के लिए 190 करोड़ रुपये का बजट जारी किया है। अभी यह रोड 16 किमी तक सात मीटर चौड़ी है, इस फोरलेन बनाकर 20 मीटर चौड़ा किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों ने बताया कि जमीन अधिग्रहण के लिए किसानों से बातचीत शुरू हो गई है। किसानों को मुआवजे के रूप में 70 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि दी जाएगी। इसके साथ ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, सवित्री ठाकुर, प्रदेश शासन के मंत्री कुंवर विजय शाह, नागर सिंह चौहान, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल, युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष निशांत खरे एवं मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिंह भाबर मंचासीन रहे।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मैं एलोपैथिक दवा और इंसुलिन मुक्त हूं, आपके बीच खड़ा हूं

नई दिल्ली। विश्व लिवर दिवस पर एलबीएस (लिवर एवं पित्त विज्ञान संस्थान) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, मई 2020 से लेकर आज तक मैंने अपने जीवन में बहुत बड़ा बदलाव किया है। आवश्यक मात्रा में नींद, पानी और आहार तथा नियमित व्यायाम ने मुझे बहुत कुछ दिया है। आज मैं आपके सामने किसी भी तरह की एलोपैथिक दवा और इंसुलिन से मुक्त होकर खड़ा हूं। देश के युवाओं को अभी 40-50 साल और जीना है और देश की तरक्की में योगदान देना है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने शरीर के लिए दो घंटे व्यायाम और अपने मस्तिष्क के लिए छह घंटे की नींद समर्पित करें। यह बेहद उपयोगी होगा। यह मेरा अपना अनुभव है। मैं आज यहां इस अनुभव को साझा कर रहा हूं।

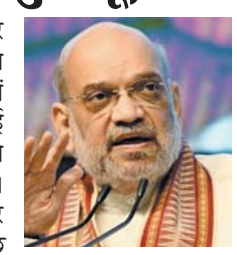

गैर-अल्कोहल फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) राज्य में एक बड़ी चिंता का विषय बनता जा रहा है, खासकर शहरी क्षेत्रों में जीवनशैली और खान-पान की आदतों में बदलाव के साथ। इस वर्ष के विश्व लिवर दिवस की थीम, भोजन ही दवा है, इस बात पर जोर देती है कि हम किस तरह की चीजें खाते हैं और वे विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने में क्या भूमिका निभाते हैं। केंद्र सरकार ने पिछले साल [illegible] को एक प्रमुख गैर-संचारी रोग के रूप में मान्यता दी थी।

चंबल क्षेत्र में भी छोड़े जाएंगे चीते, औद्योगिक इकाइयां भी बढ़ाएंगे: सीएम यादव

मुरैना सांसद के बेटे के फलदान कार्यक्रम में हुए शामिल

मुरैना। श्योपुर की तर्ज पर अब मुरैना जिले के चंबल क्षेत्र में भी चीते छोड़े जाएंगे। मुरैना में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सड़क बनाई जाएगी और हेलिकॉप्टर सेवा भी शुरू की जाएगी। यह बात मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को मुरैना में अल्पप्रवास के अवसर पर कही। वह यहां पर क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर के बेटे लगुन फलदान कार्यक्रम में भाग लेने आए थे।

इस दौरान उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला और मंत्री राकेश शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद थे। मीडिया से चर्चा करने के दौरान उन्होंने कहा कि मुरैना जिले में रोजगार की बहुत समस्या है। यहां के लोगों के पास रोजगार नहीं है।

सड़क का चौड़ीकरण होगा, हेलिकॉप्टर सेवा भी शुरू होगी- यहां पर पर्यटन की बहुत संभावनाएं हैं, इसलिए इस क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से मजबूत बनाया जाएगा। इसके लिए वह श्योपुर की तर्ज पर यहां भी चंबल सफारी बनाएंगे तथा उनमें चीते छोड़ने की योजना के अगले चरण की तरफ बढ़ रहे हैं। यहां आने के लिए सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा और हेलीकॉप्टर सेवा भी शुरू की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुरैना जिले में औद्योगिक इकाइयों को बढ़ाने के लिए वे प्रयास कर रहे हैं। नए उद्योगपतियों को यहां इकाइयां लगाने के लिए न्योता भी दे चुके हैं। उन्हें पूरी उम्मीद है कि यहां पर जल्द ही बड़ी औद्योगिक इकाइयां लगाई जाएंगी।

जनप्रतिनिधियों और आमजन से की मुलाकात- बता दें कि, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज एक दिवसीय प्रवास पर मुरैना पहुंचे थे। वे बड़ागांव नावली में आयोजित सांसद शिव मंगल सिंह तोमर के बेटे के लगुन फलदान कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम सुबह 11 बजे मुरैना जिले के बड़ागांव नावली पहुंचे, यहां उन्होंने फलदान कार्यक्रम में शामिल होने के बाद जनप्रतिनिधियों और आमजन से मुलाकात की। इसके बाद बड़ागांव नावली से रवाना होकर ग्वालियर पहुंचे। ग्वालियर से विशेष विमान से वह भोपाल के लिए रवाना हो गए।

केंद्र में पहली बार मप्र के 10 आईएएस अधिकारी सचिव पद पर तैनात

भोपाल। केंद्र सरकार के प्रशासनिक गलियारों में एमपी का रुतबा बढ़ा है। भारतीय प्रशासनिक सेवा में 1994 बैच के 3 अधिकारियों को आज सचिव पद पर पदस्थ किया गया है। इन 3 अधिकारियों सहित अब मध्य प्रदेश कैडर के कुल 10 अधिकारी केंद्र सरकार में विभिन्न मंत्रालय और विभागों में तैनात हो गए हैं। संभवतः यह पहली बार हो रहा है जब केंद्र सरकार में इतनी बड़ी संख्या में मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी सचिव पद पर पदस्थ किए गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा जारी आईएएस अधिकारियों के फेरबदल में मध्य प्रदेश कैडर के 1991 बैच के अधिकारी मनोज गोविल को वित्त मंत्रालय में व्यय विभाग से हटाकर कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) बनाया गया है। केंद्र सरकार में अति महत्वपूर्ण मंत्रालय है ऊर्जा,

इस मंत्रालय में मध्य प्रदेश कैडर के 1992 बैच के अधिकारी पंकज अग्रवाल पहले से तैनात हैं। 92 बैच के एक और अधिकारी वी एल कांता राव एक और महत्वपूर्ण खनिज मंत्रालय में सचिव पद पर पदस्थ हैं। केंद्र सरकार की दृष्टि से ऊर्जा और खनिज मंत्रालय महत्वपूर्ण माने जाते है। उनकी पत्नी नीलम शमी राव भी1992 बैच की अधिकारी हैं और वे कपड़ा मंत्रालय में सचिव हैं। यह विभाग भी महत्वपूर्ण माना जाता है। 1990 बैच की केंद्र में पदस्थ मध्य प्रदेश कैडर की सबसे वरिष्ठ अधिकारी अलका उपाध्याय केंद्र सरकार में एनिमल हसबेंडरी और डेयरिंग विभाग में सचिव पद पर हैं। 1992 बैच के आईएएस अधिकारी आशीष श्रीवास्तव को अंतर राज्य परिषद सचिवालय में सचिव नियुक्त किया गया है। यह पद गृह विभाग के अंतर्गत आता है। 1993 बैच की आईएएस अधिकारी दीप्ति गौड़ मुखर्जी कॉर्पोरेट मंत्रालय में सचिव पद पर पदस्थ हैं। केंद्र सरकार में इस मंत्रालय की भी बड़ी अहमियत है।

पदस्थ किए गए 3 आईएएस अधिकारी 1994 बैच के

डीओपीटी द्वारा आज जारी आदेश में जिन 3 आईएएस अधिकारियों को सचिव पद पर पदस्थ किया गया है, वे सभी 1994 बैच के हैं। इनमें विवेक अग्रवाल को संस्कृति मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। पल्लवी जैन गोविल को युवा मामले और हरिरंजन राव को खेल विभाग में ओएसडी बनाया गया है। माना जा रहा है कि वे 1 जुलाई को खेल मंत्रालय के सचिव नियुक्त हो जाएंगे जब सुजाता चतुर्वेदी रिटायर होगी। हम यह कह सकते हैं कि मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी कैबिनेट सचिवालय के साथ ही कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों और विभागों में पदस्थ किए गए हैं। जहां एक और ऊर्जा, खनिज और कपड़ा जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारियों के पास हैं वहीं संस्कृति,युवा मामले और खेल मंत्रालय की जिम्मेदारी भी अब मध्य प्रदेश कैडर के अधिकारियों को सौंपी गई है। मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी इतनी ज्यादा तादात में केंद्र मे सचिव हो गए हैं,इससे एक बात तो स्पष्ट है कि भारत सरकार का भरोसा हमारे राज्य के आईएएस अधिकारियों पर बढ़ा है। इसका बड़ा फायदा मध्य प्रदेश सरकार और यहां के लोगों को मिलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

शंखनाद और उलुध्वनि से गुंजायमान हुआ बंगाली नववर्ष पोइला बोइशाख

संगीत, कविता, लोकगीत और नृत्य-नाटिका की रंगारंग प्रस्तुति

भोपाल । भोपाल के बंगाली समुदाय के सांस्कृतिक प्रेमियों ने 1432वें बंगाली नववर्ष पोइला बोइशाख को उत्साह और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर कोलार रोड स्थित अरुणोदय हॉल में आयोजित कार्यक्रम एशो रे बोइशाख में संगीत, नृत्य, कविता और नाट्य प्रस्तुतियों की बहुरंगी छटा देखने को मिली। इस वर्ष पोइला बोइशाख 15 अप्रैल को मनाया गया, जब लोग एक-दूसरे को शुभो नोबो बोरसो (नया साल मुबारक) कहकर नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं। ऐसा माना जाता है कि बंगाली पंचांग की शुरुआत लगभग 600 ईस्वी में हुई थी, जो बंगाल को एकजुट करने वाले राजा शशांक के शासनकाल से जुड़ी है। यह दिन केवल नववर्ष का प्रतीक नहीं है, बल्कि बंगाल के सांस्कृतिक इतिहास का भी एक महत्त्वपूर्ण अध्याय है।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक शंखनाद और उलुध्वनि से हुई, जिससे पूरा वातावरण उत्सवधर्मी और मंगलमय हो गया। बंगाली संस्कृति में उलुध्वनि महिलाओं द्वारा जीभ और गालों के कंपन से उत्पन्न तीव्र ध्वनि को शुभता का प्रतीक माना जाता है। यह ध्वनि नकारात्मक शक्तियों को दूर कर सुख-शांति लाने वाली मानी जाती है।

रवींद्रनाथ टैगोर की प्रसिद्ध कविताओं एशो हे बोइशाख, आकाश भोरा शूर्जो तारा, आलो आमार आलो का समवेत पाठ हुआ, जिसमें इन्द्राणी, स्वस्तिका, तापस, मधुछंदा, देवाशीष, मालिका और तनुश्री ने भाग लिया। इसके अलावा, महुआ बोस ने ओगो किशोरो आजी, प्रशांत चटर्जी ने केनो दूरे थाको, और तनुश्री ने रवींद्र संगीत प्रस्तुत किया। स्वस्तिका चक्रवर्ती ने लोकप्रिय भाटियाली लोकगीत पोरेर जागा पोरेर जोमी की सुमधुर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में तृप्ति चटर्जी ने एक लघु हास्य नाटिका प्रस्तुत की, जबकि रजत चटर्जी ने अपनी प्रभावशाली कविता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। संगीत संचालन इन्द्राणी ने किया और तापस चक्रवर्ती ने ओक्टोपैड पर संगत दी। कार्यक्रम का संचालन स्वस्तिका चक्रवर्ती ने कुशलता से किया। इस आत्मीय और घरेलू वातावरण में सजे इस कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसका आयोजन किसी संस्था द्वारा नहीं, बल्कि रूपक और महुआ बोस की अगुआई में समुदाय के लोगों ने मिलजुलकर किया एक सच्चा लोकोत्सव, जो दिल से निकला और दिलों तक पहुँचा।

शारदा मठ श्री नारायण गुरु मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

भोपाल। माँ शारदा की पावन कृपा से यह सूचित करते हुए हमें अत्यंत हर्ष हो रहा है कि श्री नारायण मिशन द्वारा द्वितीय वार्षिक प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव (पंचलोहा प्रतिष्ठा) का आयोजन 19 अप्रैल से 23 अप्रैल तक शारदा मठ श्री नारायण गुरु मंदिर परिसर, श्री नारायण नगर, ओल्ड सुभाष नगर, गोविंदपुरा, भोपाल में किया जा रहा है। यह पाँच दिवसीय भव्य महोत्सव श्री नारायण मिशन युवा शाखा की सक्रिय भागीदारी से संपन्न होगा। सभी पूजन-विधियाँ एवं अनुष्ठान केरल से पधारे प्रतिष्ठित आचार्य श्री राजेश तांत्रिकाल, मानपारा एवं श्री संतोष शांति काल, श्री नारायण गुरु मंदिर द्वारा विधिपूर्वक सम्पन्न किए जा रहे हैं। श्री नारायण मिशन के अध्यक्ष श्री प्रकाशानन एस ने सभी सदस्यों एवं अनुयायियों से आग्रह किया है कि वे इस पवित्र एवं ऐतिहासिक अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर माँ शारदा की दिव्य कृपा का लाभ लें और सामूहिक रूप से इस आयोजन को सफल बनाएं। हम समस्त श्रद्धालुओं से निवेदन करते हैं कि इस आध्यात्मिक पर्व में भाग लेकर अपने जीवन को पवित्र और सार्थक बनाएं।

शालाओं में 22 अप्रैल को होगा पृथ्वी दिवस का आयोजन

भोपाल। प्रदेश की सभी शालाओं में 22 अप्रैल 2025 मंगलवार के दिन पृथ्वी दिवस का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के संचालन के लिए संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने समस्त जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर निर्देश जारी किये हैं। विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा ''इको क्लब फॉर मिशन लाइफ'' कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही हैं। पर्यावरण के प्रति जागरूकता के लिए विद्यालयों में इको क्लब का गठन भी किया गया है। प्रदेश में विद्यालयों में गठित इको क्लब से फ्लोरा (वनस्पति) के लिए क्यूआर कोड नामक एक शैक्षिक पहल की शुरूआत की गई है। इसका प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी कौशल का विकास करना, क्यूआर कोड निर्माण और डिजिटल जानकारी प्रदान करना है। पृथ्वी दिवस के आयोजन में विद्यालय द्वारा ''इको क्लब फॉर मिशन लाईफ'' पोर्टल पर पंजीयन किया जायेगा। विद्यालय के इको क्लब प्रभारी द्वारा विद्यार्थियो के समूह बनाएँ जाकर स्कूल परिसर एवं आस-पास के बाग बगीचों इत्यादि में उपलब्ध पेड़-पौधों का सर्वेक्षण कर सूची तैयार की जायेगी। विद्या?र्थी सूची अनुसार पेड़-पौधों से संबंधित जानकारी एकत्रित कर डिजिटल डेटाबेस भी तैयार करेंगे। इसके आधार पर प्रत्येक पेड़-पौधों के लिए स्थिर (स्टेटिक) क्यूआर कोड बनायेंगे। क्यूआर कोड वाले लेबल को विद्यार्थियों द्वारा संबंधित पेंड़ पौधों के समक्ष प्रदर्शित किया जायेगा, जिससे अन्य विद्यार्थी एवं जन सामान्य भी उस पेड़ पौधे से संबंधित जानकारी सहजता से प्राप्ते कर सकेंगे। क्यूआर कोड में उस पेड़ पौधे से संबंधित जानकारी यथा पेड़ (फ्लोरा) का नाम एवं स्थानीय नाम, पेड़ का वैज्ञानिक नाम, पेड़ का प्रकार, फलदार / औषधि / सजावट / अन्य, वनस्पति के बारे में जानकारी जैसे पोषण मूल्य, लाभ, उपयोग आदि भी उपलब्ध होगी।

आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने किया मॉक अभ्यास

भोपाल। भारत सरकार के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार को सेंट्रल पॉवर रिसर्च इंस्टीट्यूट के सामने, रासायनिक औद्योगिक आपदा पर मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। यह अभ्यास आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने तथा जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। भोपाल सहित प्रदेश के 10 जिलों में रासायनिक औद्योगिक आपदा पर आधारित मॉक अभ्यास आयोजित किया गया। मॉकड्रिल में स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा स्वास्थ्य आकस्मिकता की स्थिति में जीवन रक्षक कौशल का प्रदर्शन किया गया। जिसमें रासायनिक गैसों, केमिकल्स के रिसाव की स्थिति में बचाव के उपाय, सावधानियों, प्राथमिक उपचार, रेफरल प्रोटोकॉल, सीपीआर इत्यादि का प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग का चिकित्सकीय दल, पैरामेडिकल स्टाफ 108 एम्बुलेंस मौजूद रहीं।

जिन्होंने निश्चित समय सीमा में प्राथमिक उपचार एवं रेफरल को प्रदर्शित किया। इस ड्रिल का उद्देश्य प्रतिक्रिया रणनीतियों को परिष्कृत करना और आपदा प्रबंधन हितधारकों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करना था। मॉक ड्रिल में प्रत्येक परिदृश्य को वास्तविक जीवन की आपात स्थितियों को दर्शाने के लिए डिज़ाइन किया गया था ताकि उच्च तनाव की स्थितियों में तैयारियों का परीक्षण किया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि अमोनिया एवं अन्य जहरीली गैसों के रिसाव में समय पर उपचार आवश्यक होता है। संयुक्त अभ्यास में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने मिनिमम रिस्पांस टाइम में चिकित्सा सेवाओं की प्रदायगी का अभ्यास प्रदर्शन किया।

जैन मंदिर तोड़ने के विरोध में जैन समाज ने दिया मौन धरना

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महाराष्ट्र राज्य के मुम्बई स्थित विले पार्ले पूर्व की कांवली वाड़ी जैन मंदिर को तोड़ने और नीमच मध्य प्रदेश मे जैन संतों पर हमले के विरोध में शनिवार 19 अप्रेल को मंगलवारा जैन मंदिर के बाहर प्रात: 9 से 10 बजे सांकेतिक मौन धरना मुंबई में जैन मंदिर को नगर महापालिका द्वारा ध्वस्त किये जाने और नीमच में पिछले दिनों जैन संतों पर हमले के विरोध में जैन समाज भोपाल एवं मंगलवारा जैन समाज द्वारा शनिवार 19 अप्रेल को प्रात: 9 बजे से 10 बजे तक सांकेतिक मौन धरना दिया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए मंगलवारा जैन मंदिर के अध्यक्ष आदित्य मनया विजय श्वेता राकेश नायक महेद्र जैन हुण्डी पिन्टु जैन मनोज ठेकेदार अशोक अजमेरा,सुरेद्र परसोन ने बताया कि उक्त घटनाओं से सम्पूर्ण भारत की जैन समाज में रोष व्याप्त है। हमने एक ज्ञापन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री श्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को भेज रहे हैं तथा एक ज्ञापन मध्यप्रदेश के राज्यपाल महोदय को प्रेषित करते हुए धरने के समापन पर प्रसासनिक अधिकारी को दिया जायेगा। धरने में पंकज प्रधान सुनील सिधई, सुनील लिवास,शैलेन्द्र प्रधान, डाक्टर अनुराग जैन मनोज जैन मन्नु, बन्टी अजमेरा, प्रमीत अजमेरा,राजेश जैन इतवारा पदम जैन बैंक,कौशल जैन,जयेश जैन अशोक अजमेरा, भविष्य जैन, सौरभ हुण्डी,सुरेद्र चौधरी पवन चौधरी तथा महिला मंडल अध्यक्ष नीता जैन श्रीमती सरोज जैन, अनीता जैन, रंजना जैन मंजू जैन रेखा जैन, रजनी जैन, रश्मि जैन, सोना जैन , तारा जैन, सुशीला जैन पूजा जैन, आभा अजमेर मनोरमा अजमेर, रतन जैन, प्रतिभा जैन, सपना जैन, रजनी जैन, जिज्ञासा जैन आदि शामिल रहे।

कृष्ण-रुक्मणि विवाह प्रसंग की कथा का श्रवण कराया

भोपाल। श्रीमद्भागवत कथा में श्री कृष्ण रुक्मणि का विवाह प्रसंग की कथा का श्रवण कराया गया पंडित रूपेश शास्त्री के मुखारविंद से कथा सुनाई जा रही है इस अवसर पर श्रीमती देवी रिछारिया के साथ सभी रिछारिया परिवार के साथ मित्रमंडली ने कथा का श्रवण किया। साथ में भागीरथ रिछारिया विनोद रिछारिया अनिल रिछारिया कौशल किशोर रिछारिया प्रमोद रिछारिया ब्रिज किशोर रिछारिया प्रवीण रिछारिया प्रकाश रिछारिया एन के रिछारिया अंबिकाशरण रिछारिया ने कथा का श्रवण किया।

संत हिरदाराम प्राकृतिक चिकित्सा व योग विज्ञान महिला महाविद्यालय में योगोउत्सव का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। योग हर रोग की दवा है यदि हम प्रतिदिन योग करते है तो बहुत सारी बीमारियों से मुक्त हो जाते है योग हमारी भारतीय संस्कृति का आधार है जिसे पूरी दुनिया अपना रही है यह विचार शहीद हेमू कालाणी एज्यूकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ ने संत हिरदाराम प्राकृतिक चिकित्सा व योग विज्ञान महिला महाविद्यालय के योगोउत्सव 2025 के गरिमामय आयोजन में प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में आना इस बात का प्रतीक है योग के प्रति लोगों का रूझान बढ़ रहा है। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डॉ. अंकेश सिंह ने कहा कि पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि के तहत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व 100 दिन 100 शहर संकल्पना के अंतर्गत भारत सरकार के आयुष विभाग द्वारा संचालित मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल शहर में 64वें दिन का योग महोत्सव का मनाने की जिम्मेदारी हमारे महाविद्यालय को मिली है। उन्होनें कहा कि इस कार्यक्रम में भोपाल शहर के 800 से अधिक प्रतिभागी सम्मलित हुए हैं। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया गया जिसे महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा उद्घोषित किया गया। साथ ही संगीतमय योग प्रस्तुति भी की गई। जिसे लोगों की बढ़ी सराहना मिली इस कार्यक्रम में बढ़ी संख्या में बच्चे युवा महिलाए और बुजुर्ग सम्मलित हुए। कार्यक्रम के दूसरे भाग में महाविद्यालय की छात्राओं के लिए रिसर्च मेथोडोलॉजी विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें एम्स भोपाल के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. वरूण मल्होत्रा और एम्स, रायपुर के मेडिकल ऑफिर डॉ. विक्रम पाई ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में किए गए प्रामणिक शोध कार्यो की जानकारी छात्राओं को दी।

विकास कार्यों में लापरवाही नहीं चलेंगी, अधिकारियों को समय पर करना होगा पूरा काम: कृष्णा गौर

राज्यमंत्री ने गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड-61 में भ्रमण कर रहवासियों की समस्याएं सुनीं

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी । अधिकारियों को समय पर काम करना होगा । जिम्मेदार अधिकारियों के लंबे समय तक विभागों में फाइल अटकाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने शुक्रवार को वार्ड-61 में औचक निरीक्षण कर रहवासियों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही उनका निराकरण किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने भ्रमण के दौरान कहा कि नागरिक सुविधाओं के स्थायी समाधान के लिए हम संकल्पित हैं। हमारा निरंतर प्रयास है कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहे, इसके लिए आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने आज गोविंदपुरा विधानसभा के वार्ड-61 में भ्रमण की शुरुआत श्री शिव मंदिर निर्मल पैलेस से की। यहां पर स्थानीय रहवासियों ने पेयजल से जुड़ी कुछ परेशानियाँ बताईं। स्थानीय नागरिकों ने पानी का प्रेशर कम होना और निर्धारित समय से कम अवधि तक पानी मिलने की शिकायत की। इन समस्याओं के समाधान के लिए उन्होंने अधिकारियों को पाइपलाइन का प्रेशर ठीक करने, पानी लाइन के नेटवर्क को दुरुस्त करने और जल आपूर्ति की समय सीमा बढ़ाने के निर्देश दिए। लवकुश नगर , समृद्धि परिसर खजूरीकलां के रहवासियों ने कहा कि यहां मौजूद 40 फीट रोड पर बारिश में पानी भर जाता है। रहवासियों ने नाली पर से अतिक्रमण हटा कर सफाई की मांग की। राज्यमंत्री ने तुरंत ही अधिकारियों से पानी निकासी की व्यवस्था बनाने और मंदिर में पेविल ब्लॉक लगाने के निर्देश दिए हैं। रचना विहार एवं अवंतिका विहार में रहवासियों ने कॉलोनी की प्रस्तावित सड़क एवं पार्क सौंदर्यीकरण कार्यों के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण पूर्णता हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मंदिर सौंदर्यीकरण कार्य हेतु विधायक निधि से ?5 लाख की सहयोग राशि प्रदान की गई है, ताकि धार्मिक व सांस्कृतिक स्थलों का स्वरूप और अधिक आकर्षक बन सके। तुलशी परिसर में मार्ग चौड़ीकरण, नाला सफाई, सीवेज के खुले में बहने तथा मंदिर सौंदर्यीकरण को लेकर नागरिकों द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं को गम्भीरता से लिया गया है और संबंधित अधिकारियों को इन सभी समस्याओं के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए हैं।

विश्व धरोहर दिवस पर पर्यटक पहुंचे जगदीशपुर, देखी इतिहास की विराट छवि

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व धरोहर दिवस पर राजधानी भोपाल में इतिहास प्रेमियों का हुजूम दिखाई दिया। हेरिटेज वॉक पर निकले पर्यटकों का पड़ाव जगदीशपुर(इस्लाम नगर) जाकर ठहरा। यहां प्राचीन महलों का आर्किटेक्ट, इनके निर्माण का इतिहास, धरोहर में समाई संस्कृति और कलां को निहारते इनका दिन बीता। सुबह से लेकर देर दोपहर तक चली इस हेरिटेज वॉक के बाद इनकी जिज्ञासु झोली में कई जानकारियां भरी थीं। अपने इतिहास को जानने समझने की संतुष्टि भी इनके मन में थी, साथ ही अपनी विरासत को सहेजने, संरक्षित करने और इसको संवारने का एक अकथनीय संकल्प भी यह लेकर चले। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर सचिव, म.प्र. शासन संस्कृति विभाग एवं आयुक्त पुरातत्व उर्मिला शुक्ला के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण प्रदेश में हेरिटेज वॉक सहित विभिन्न आयोजन किये गए । कार्यक्रम में विभाग की संयुक्त संचालक डॉ. मनीषा शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रही एवं उनके द्वारा धरोहर के महत्व एवं संरक्षण की दिशा में की जा रही विभागीय पहलों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में राजस्थान उप पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र , अर्जुन सिंह, सिजल शेखावत, जयपाल सिंह, शिशुपाल आदि शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ पुरातत्ववेत्ता आशुतोष उपरीत के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने विश्व धरोहर दिवस की महत्वता एवं धरोहर संरक्षण में विभाग की निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर वरिष्ठ पुरातत्वीय अधिकारी डॉ. रमेश यादव ने चमन महल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उसके संरक्षण हेतु विभाग द्वारा किए गए प्रयासों एवं उसके स्थापत्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि चमन महल का निर्माण राजपूत स्थापत्य शैली में हुआ है, जबकि इसके बगीचे को मुगल शैली में सजाया गया था। कार्यक्रम के दौरान 'हेरिटेज म्ज़ि' का आयोजन किया गया। यह सत्र रोचक प्रश्नों एवं संवादों से भरपूर रहा, जिससे प्रतिभागियों में ऐतिहासिक स्थलों के प्रति जिज्ञासा और जागरूकता बढ़ी। उप संचालक निलेश लोखंडे ने प्रतिभागियों को चमन महल के बारे में संक्षिप्त विवरण प्रदान किया। नम्रता यादव, कीपर, राज्य संग्रहालय भोपाल ने सम्पूर्ण कार्यक्रम के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्व धरोहर दिवस पर राजधानी भोपाल के अलावा अन्य क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर, दमोह एवं अन्य शहरो में ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गए ।

विश्व लिवर दिवस - अपने लीवर को स्वस्थ रखने के लिए पौष्टिक आहार लें और नियमित रूप से योग अभ्यास करें - योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरू महेश अग्रवाल ने बताया कि लीवर से संबंधित बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 19 अप्रैल को विश्व लीवर दिवस मनाया जाता है। मस्तिष्क को छोड़कर लीवर शरीर का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे जटिल अंग है। यह आपके शरीर के पाचन तंत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी है। आप जो कुछ भी खाते या पीते हैं, जिसमें दवा भी शामिल है, लीवर से होकर गुजरता है। आप लीवर के बिना जीवित नहीं रह सकते। यह एक ऐसा अंग है, जिसकी अच्छी देखभाल न करने पर यह आसानी से क्षतिग्रस्त हो सकता है। यह हमारे पेट के दाहिने और स्थित है।लीवर को अन्य नामों से भी जाना जाता है जैसे जिगर, यकृत आदि। यदि यकृत काम करना बंद कर दें तो एक व्यक्ति की मौत हो सकती है । इसका वजन 2.5 से लेकर 3 पोंड तक हो सकता है। लीवर हमारे शरीर में बहुत सी क्रियाओं को करने में मदद करता है। यह एक कशेरुक या रीढ़ की हड्डी वाले जानवरों में मौजूद होता है। चयापचय में भी मदद करता है। यह वसा को जलाने में मदद करता है और शरीर के वजन को बनाए रखता है।

गांधीसागर में फिर गूंजेगी चीतों की दहाड़, कल मुख्यमंत्री डॉ. यादव छोड़ेंगे दो नर चीते

कूनो को बनेगा आदर्श वन्य पर्यटन स्थल, उद्यान परिक्षेत्र में पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने के लिए खोले जाएंगे दीदी कैफे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इको सिस्टम के प्रॉपर डेवलपमेंट के लिए मध्यप्रदेश में वृहद स्तर पर काम हो रहा है। वन्य पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था को गति देता है और अब यही हमारी समृद्धि का प्रवेश द्वार बन रहा है। हमारी सरकार कूनो राष्ट्रीय उद्यान को एक आदर्श वन्य प्राणी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। प्रदेश में सिर्फ कूनो ही नहीं, अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के सहयोग से आगामी 20 अप्रैल को गांधी सागर अभयारण्य में चीते छोड़े जाएंगे। कड़ी सुरक्षा में कूनो नेशनल पार्क से 2 चीते शिफ्ट कर गांधीसागर अभयारण्य में ले जाये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में पर्यटन तेजी से बढ़े, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ग्वालियर से कूनो के लिए डायरेक्ट रोड और एयर कनेक्टिविटी भी विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों द्वारा यह जानकारी दिए जाने पर हर्ष व्यक्त किया कि भारत (मध्यप्रदेश) में जन्में चीता शावकों की जीवन प्रत्याशा (सर्वाइवल रेट) पूरे विश्व में सर्वाधिक है। दूसरे देशों में चीता शावक जलवायु से अनुकूलन के अभाव में सर्वाइव नहीं कर पाते हैं। चीतों के लिए जरूरी जलवायु और वातावरण की दृष्टि से गांधीसागर अभयारण्य बेहद अनुकूल है, इसलिए सरकार यहां चीते छोड़कर इस अभयारण्य को भी चीतों से गुलजार करेगी।

कूनो जुड़ेगा रोड टू एयर कनेक्टिविटी से: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर सबके सहयोग से हम चीतों का पुनर्वास करेंगे। ग्वालियर से कूनो नेशनल पार्क तक पक्की बारहमासी रोड बनाई जाएगी। कूनो में टेंट सिटी तैयार कर यहां आने वाले पर्यटकों को जंगल में प्रकृति के पास समय बिताने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री यादव की मंशा के अनुरूप हम कूनो प्रक्षेत्र में इंटरनेशनल लेवल का एक पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार से भी मदद लेंगे। पशु चिकित्सालय के संचालन से कूनों के चीतों के इलाज के साथ-साथ इस पूरे क्षेत्र में गौवंश के उपचार में

भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के नेचर टूरिज्म सेक्टर में निहित असीम संभावनाओं को एक्सप्लोर करेगी। राज्य के अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को वन्य पर्यटन से जोड़ेंगे। चीता मित्र और महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को टूरिस्ट गाईड भी बनाएंगे, कूनो परिक्षेत्र में राज्य आजीविका विकास मिशन से दीदी कैफे संचालित किए जाएंगे, जिससे चीता मित्रों और महिलाओं को स्थानीय रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

सरकार किंग कोबरा और दुर्लभ प्रजाति के कछुओं का भी करेगी संरक्षण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की धरती पर चीतों के पुनर्वास से एक सदी का इंतजार खत्म हुआ है। राज्य सरकार किंग कोबरा, घड़ियाल और दुर्लभ प्रजाति के कछुओं के संरक्षण के लिए भी प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सरकार किंग कोबरा संरक्षण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। प्रदेश के जंगलों में जहरीले सांपों की संख्या नियंत्रित करने के लिए किंग कोबरा को बसाना आवश्यक है। पहले चरण में 10 किंग कोबरा मध्यप्रदेश लाने पर विचार हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन अधिकारियों को चंबल नदी से घड़ियाल और कछुओं को प्रदेश की 4 बड़ी नदियों और जलाशयों में पुर्नवासित करने के निर्देश दिए। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में बड़ी क्षमताएं विद्यमान हैं। उन्होंने कूनो में चीतों के पुनर्वास और वन टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों की प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री यादव ने वन्य प्राणियों के संरक्षण और पर्यटन को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में चल रहे वन्य प्राणियों की पुनर्वास परियोजनाओं की देखरेख के लिए वन, पर्यटन, पशु चिकित्सा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य एवं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक टास्क फोर्स बनाया जाए। यह टास्क फोर्स नियमित रूप से सभी प्रोजेक्ट्स की निगरानी करें। उन्होंने कहा कि श्योपुर जिले के 80 गांवों के 400 चीता मित्रों को प्रशिक्षित करने के लिए भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम), भोपाल के साथ अनुबंध कर सकते हैं। चीता मित्रों को होम स्टे के लिए प्रशिक्षित कर उन्हें नेचर टूरिज्म के लिए तैयार करने की दिशा में भी कार्य किए जाएं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही कूनो के आसपास स्थित ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटकों के लिए विकसित किया जाए।

कूनो में मौजूद एक पुराने किले को हेरिटेज वॉक के रूप में विकसित किया जा सकता है। मगरमच्छ और घड़ियाल के दीदार के लिए व्यू प्वाइंट्स बने, वन्य प्राणियों के रेस्क्यू के लिए सेंटर और पर्यटकों के लिए आयुर्वेदिक सेंटर तैयार किए जाएं। केन्द्रीय वन मंत्री यादव ने कहा कि पर्यटन से रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कूनो समेत प्रदेश के अन्य पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों को सुविधाएं और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को जोड़ा जाए। देश-विदेश से कूनो आने वाले पर्यटकों को आवास, भोजन, स्वच्छता से जुड़ी बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। अगर सुविधाएं विश्वस्तरीय होंगी, तो निश्चित रूप से दुनिया से टूरिस्ट चीता देखने के लिए पर्यटक कूनो नेशनल पार्क और गांधीसागर अभयारण्य आएंगे। बैठक में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की ओर से बताया गया कि देश में चीता प्रोजेक्ट पर अब तक 112 करोड़ रुपए से अधिक राशि व्यय की जा चुकी है।

इसमें से 67 प्रतिशत राशि मध्यप्रदेश में हुए चीता पुनर्वास पर व्यय हुई है। प्रोजेक्ट चीता के तहत ही अब गांधीसागर अभयारण्य में भी चीते चरणबद्ध रूप से विस्थापित किए जाएंगे। गांधीसागर अभयारण्य राजस्थान की सीमा से लगा हुआ है, इसलिए अंतर्राज्यीय चीता संरक्षण परिसर की स्थापना के लिए मध्यप्रदेश और राजस्थान राज्य के बीच सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है। अभी कूनो और गांधीसागर अभयारण्य में चीता मित्रों की क्षमता संवर्धन के लिए उन्हें विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है।

बैठक में चीता प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए केन्द्रीय सचिव पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तन्मय कुमार, मुख्य सचिव अनुराग जैन, वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव सुशील कुमार अवस्थी, अतिरिक्त महानिदेशक टाइगर प्रोजेक्ट एवं सदस्य सचिव राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) डॉ. गोविंद सागर भारद्वाज, अंतरिम महानिदेशक इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस (आईबीसीए) एस.पी. यादव, अतिरिक्त वन महानिदेशक एनटीसीए संजयन कुमार, उप वन महानिदेशक एनटीसीए वैभव सी. माथुर एवं उप वन महानिदेशक (वन्यजीव विभाग) केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय अंजन कुमार मोहंती सहित अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव, मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) शुभरंजन सेन, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) एल. कृष्णमूर्ति, सचिव वन अतुल कुमार मिश्रा तथा सचिव एवं आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सैटेलाइट कॉलर आईडी हो रही चीतों की मॉनीटरिंग चीता सफारी प्रारंभ करने की भी है तैयारी

बैठक में वन अधिकारियों ने बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में कुल 26 चीते हैं। इनमें से 16 चीते खुले जंगल में हैं और 10 पुनर्वास केंद्र में हैं। कूनो में चीतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां ज्वाला, आशा, गामिनी और वीरा मादा चीता ने शावकों को जन्म दिया है। चीतों की निगरानी के लिए सैटेलाइट कॉलर आईडी से 24 घंटे ट्रैकिंग की जा रही है। चीतों के पुनर्स्थापना के बाद कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों की संख्या बढ़कर 2 साल में दोगुनी हो चुकी है। राज्य सरकार ने कूनो में चीता सफारी शुरू करने के लिए माननीय सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर मंजूरी मांगी है, क्योंकि वन क्षेत्र या इको सेंसिटिव जोन में सफारी प्रारंभ करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेनी जरूरी है। इस याचिका पर निर्णय होना अभी शेष है।

प्रसाद योजना से संवरेगी माँ पीताम्बरा की नगरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माँ पीताम्बरा की नगरी को प्रदेश का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल बनने के लिये सुविधा संपन्न बनाया जाएगा। केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के अंतर्गत मंदिर परिसर और उससे जुड़े क्षेत्र के विकास के लिए 44.24 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस योजना से धार्मिक स्थलों का कायाकल्प होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण होगा। प्रसाद योजना का उद्देश्य भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक बनाना है। प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक?ला ने बताया कि पीतांबरा पीठ में पर्यटन सेवाओं के विस्तार से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। सुविधाएं बढ़ने से यह विकास तीर्थयात्रियों को आसानी होगी। हाइवे से मंदिर की ओर लगभग 2 कि.मी. के मार्ग पर पैदल आने वाले दर्शनार्थियों एवं वरिष?ठ जनों को ताजी हवा, खुला वातावरण और आराम प्रदान करने के लिए विशेष रूप से खुले स्थानों का विकास किया जाएगा। इन क्षेत्रों में हरियाली, बेंच, पेड़-पौधे और विश्राम करने के लिए स्थान होंगे। इससे पर्यटकों को ताजगी का अनुभव होगा। शहर के नागरिकों और पर्यटकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को उन्नत किया जाएगा। इससे शहर अधिक सुविधाजनक और सुगम बनेगा। मंदिर प्रबंधन ने उत्तर गेट के समीप इसके लिये लगभग 1000 वर्ग मी. की भूमि उपलब?ध कराई है, उत्तर गेट भविष्य का मुख्य द्वार होगा। उत्तर द्वार से मंदिरों में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक इंटरप्रिटेशन सेंटर (व्याख्या केंद्र) बनाया जाएगा।

श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में टेली मेडिसिन सेवा का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र में उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि टेली-मेडिसिन सेवा दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ सेवाओं के प्रदाय का सशक्त माध्यम है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्यामशाह चिकित्सा महाविद्यालय रीवा में टेली-मेडिसिन सेवा का शुभारंभ किया। इस सेवा से रीवा और सीधी जिलों के प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सकों को वरिष्ठ विशेषज्ञों का परामर्श प्राप्त होगा। इस सेवा के तहत अब संजय गांधी अस्पताल, रीवा के मेडिसिन, शिशु रोग (पेडियाट्रिक्स) तथा स्त्री रोग (गायनी) विभाग के वरिष्ठ विशेषज्ञ चिकित्सक, दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत डॉक्टरों को फोन या अन्य संचार माध्यमों से जरूरी परामर्श देंगे। इससे उन मरीजों को तुरंत लाभ मिलेगा जिन्हें विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता होती है। अब ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को विशेषज्ञ सेवाओं के लिए ज़िला मुख्यालय आने की आवश्यकता विशेष परिस्थितियों में ही पड़ेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह सेवा न सिर्फ मरीजों की यात्रा की आवश्यकता को कम करेगी, बल्कि समय, धन और संसाधनों की भी बचत करेगी। साथ ही, इससे प्राथमिक स्तर पर कार्यरत चिकित्सकों को विशेषज्ञों की मदद से त्वरित एवं सटीक निर्णय लेने में सुविधा होगी। इससे मातृ-शिशु स्वास्थ्य, गंभीर बीमारियों की प्रारंभिक पहचान व इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि टेली-मेडीसिन सेवा का प्रभावी उपयोग सशक्त व स्वस्थ मध्यप्रदेश के विजन को धरातल पर उतारने में सहयोगी होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने टेली-मेडिसिन कक्ष की व्यस्थाओं का अवलोकन किया एवं विधिवत संचालन के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वे अगले सप्ताह प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा करेंगे। डीन मेडिकल कॉलेज रीवा डॉ. सुनील अग्रवाल सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार: नवाचार श्रेणी के लिए चयनित अधिकारियों की सूची जारी

इन्दौर। सामान्य प्रशासन विभाग ने नवाचार श्रेणी के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार 2022-23 चयनित शासकीय अधिकारियों की सूची जारी की है। सूची में 6 क्षेत्रों के लिए 14 शासकीय अधिकारियों के नाम शामिल हैं। सभी चयनित शासकीय सेवकों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 1 लाख रुपये नकद और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। अधिकारियों को यह पुरस्कार अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए नवाचार के लिए दिया जा रहा है। सम्मान समारोह का आयोजन नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में किया जाएगा। शिक्षा एवं मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण, सामाजिक समावेश एवं सशक्तिकरण, अधोसंरचना, नागरिक सेवा प्रदाय-सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुशासन, रोजगार एवं आर्थिक विकास क्षेत्रों में नवाचार के लिये पुरस्कार प्रदान किये जा रहे हैं। पुरस्कार के चयनित अधिकारियों में सुश्री शीला दाहिमा, माधव प्रसाद पटेल, अदिति गर्ग, डॉ. इंदिरा दांगी, शारदा डुडवे, आलोक पौराणिक, चंद्रमोहन ठाकुर, डॉ. यशपाल सिंह, संजय जोशी, अमित तोमर, ऋषव गुप्ता,गणेश शंकर मिश्रा, दिव्यांक सिंह और प्रवीण सिंह के नाम शामिल हैं।

वित्तीय अनियमितताओं के आरोप के बाद हाउसिंग बोर्ड की वरिष्ठ लेखा अधिकारी को हटाया

भोपाल। मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड की लेखा शाखा में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारी अल्पना ओझा को उनके पद से हटाया गया है। यह निर्णय निर्माण कार्यों से जुड़े भुगतान में कथित लापरवाही और आर्थिक नुकसान की शिकायतों के बाद लिया गया है। वित्त विभाग ने आदेश जारी करते हुए ओझा को उनके वर्तमान दायित्वों से मुक्त कर कोष एवं लेखा विभाग के संयुक्त संचालक कार्यालय में संबद्ध कर दिया है। बताया जा रहा है कि ओझा पर लंबे समय से निर्माण से संबंधित बिलों के भुगतान में देरी और प्रक्रिया में अनावश्यक अड़चनों के आरोप थे। इस मामले में शिकायत लोकायुक्त कार्यालय तक पहुंची थी, जहां प्रारंभिक स्तर पर गंभीरता को देखते हुए आगे की जांच की सिफारिश की गई। वित्त विभाग की इस कार्रवाई को प्रशासनिक जवाबदेही की दिशा में एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। फिलहाल, इस मामले की गहराई से जांच की आवश्यकता बताई गई है और संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण भुगतान प्रक्रियाओं को समयबद्ध और नियमसम्मत ढंग से संपन्न किया जाए।

एमपी में शिक्षक चयन परीक्षा कल से, 1 लाख 60 हजार अभ्यर्थी होंगे शामिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा 20 अप्रैल रविवार से शुरू होगी। परीक्षा में लेट पहुंचने वाले अभ्यर्थियों के परीक्षा सेंटर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। किसी भी प्रकार से नकल करते पकड़े जने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह परीक्षा कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) आयोजित कर रहा है। परीक्षा 29 अप्रैल तक चलेगी। ईएसबी ने विषय वार परीक्षा की समय-सारिणी घोषित कर दी है। इसमें प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक (गायन, वादन व नृत्य) के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षक (विषय) के लिए परीक्षा होगी। यह परीक्षा प्रदेश के 13 शहरों में आयोजित होगी। इसमें 1.60 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पाली में होगी। इसमें पहली पाली की परीक्षा सुबह नौ से 11 बजे तक होगी। वहीं दूसरी पालीकी परीक्षा दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक होगी। परीक्षा शुरू होने के तीन दिन पहले अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे।

जन सहभागिता से जल स्रोतों का संवर्धन एवं संरक्षण

भोपाल। प्रदेश में 30 मार्च से शुरू हुए जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश में इन बिन्दुओं को केन्द्रित करते हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रत्येक जिले में जन भागीदारी से संचालन किया जा रहा है। छिन्दवाड़ा जिले के जुन्नारदेव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर जन अभियान परिषद छात्र-छात्राओं के सहयोग से जल का महत्व समझाने के लिये दीवार लेखन करा रही है। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम कार्यक्रम में बीएस डब्ल्यू- एमएसडब्ल्यु के छात्र-छात्राओं के द्वारा सेक्टर क्रमांक 02 विकासखंड जुन्नारदेव के ग्राम पंचायत जुन्नारदेव विशाला एवं जुन्नारदेव दमामी, शिव नगरी मंदिर परिसर में अंतर्गत जल है तो कल है, जल ही जीवन है, हम सबने ठाना है, पानी को बचाना है सहित विभिन्न प्रकार के नारों का दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामीणों जनों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा हैं।

तालाबों का संरक्षण और गहरीकरण भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक: खाद्य मंत्री राजपूत

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने गुना जिले के ग्राम सागर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाब गहरीकरण में सहभागिता कर श्रमदान किया। मंत्री राजपूत ने पूजा कर गेती-फावड़ा लेकर स्वयं श्रमदान करते हुए तालाब गहरीकरण की शुरुआत की और जल

संरक्षण की इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभाई। मंत्री श्री राजपूत और विधायक प्रियंका पेंची ने ग्रामीणों से संवाद कर जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। मंत्री राजपूत ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयास नहीं बल्कि जन-सहभागिता से जुड़ा एक संकल्प है। तालाबों का संरक्षण और गहरीकरण हमारे भविष्य की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से इस अभियान को जनांदोलन के रूप में अपनाने का आग्रह किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हिनौती गोधाम में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराए : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि हिनौती गोधाम में गौवंशों के लिए शेड की व्यवस्था सहित चारा व पानी सुविधा सुनिश्चित करायें। गोधाम में पानी की कमी न होने पाये इस पर विशेष ध्यान दें। सर्किट हाउस राजनिवास में हिनौती गोधाम के संबंध में आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री ने अधोसंरचना विकास के कार्यों सहित अन्य निर्माणाधीन कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि

हिनौती गौधाम में टैंकर के माध्यम से पानी पहुंचाने की व्यवस्था करायें तथा गोवंश के लिए पशु आहार की भी उपलब्धता सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि गौधाम में व्यवस्था के अनुरूप ही गौवंश संरक्षित रखे जाय। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों की धीमी प्रगति व व्यवस्थाओं में कमी होने पर नाराजगी व्यक्त की तथा एसडीएम को निर्देश दिये कि प्रतिदिवस हिनौती गोधाम जाकर व्यवस्थाओं की मानीटरिंग करें। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल, अध्यक्ष गंगेव जनपद विकास तिवारी, एसडीएम राजेश सिन्हा, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, उप संचालक पशुपालन विभाग डॉ. राजेश मिश्रा उपस्थित रहे।

उज्जैन में जल-जागरण की ऐतिहासिक शुरुआत, गंधर्व सागर में हुआ भूमिपूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जल गंगा संवर्धन अभियान में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना की भूमि उज्जैन आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब गंधर्व सागर के भूमि पूजन के साथ जल-जागरण की क्रांति का विधिवत शुभारंभ हुआ।

यह आयोजन केवल एक परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रव्यापी जन-जागरण की पहली औपचारिक आहुति बन गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा महाकाल के स्मरण, भारत माता की जय और वंदे मातरम की गूंज के साथ हुई। पूरे वातावरण में देशभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का संचार हुआ। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत यह आयोजन एक जन-आंदोलन के रूप में सामने आया, जिसका उद्देश्य केवल जल स्रोतों का

पुनरुद्धार नहीं, बल्कि नागरिकों में जल प्रबंधन और संरक्षण की भावना जाग्रत करना भी है। वक्ताओं ने इस अभियान को जनभागीदारी की मिसाल बताते हुए कहा कि जल ही जीवन है। अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि यह जन-आंदोलन बन चुका है। गंधर्व सागर का पुनरुत्थान उज्जैन सहित सम्पूर्ण मध्यप्रदेश को जल संकट से उबारने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम होगा। उज्जैन के सप्तसागर रूद्रसागर, रत्नाकर सागर, गोवर्धन सागर, पुरुषोत्तम सागर, पुष्कर सागर, विष्णु सागर और क्षीर सागर का उल्लेख करते हुए उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक महत्ता को रेखांकित किया गया। अगर आज जल नहीं बचाया गया, तो कल इसके लिए संघर्ष करना पड़ेगा, इस चेतावनी के साथ सभी को जल संचयन, जल प्रबंधन और जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। उपस्थित जनसमूह ने पूरे उत्साह से 'जल-जागरण' को जन-जागरण में बदलने की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व, दृष्टिकोण और संकल्पशक्ति की सराहना करते हुए आयोजन समिति ने उनके प्रति आभार प्रकट किया। वक्ताओं ने कहा कि उनकी दूरदृष्टि से ही यह जल-जागरण आंदोलन वास्तविक धरातल पर उतर पाया है। हर बूंद में भविष्य है, हर प्रयास में है परिवर्तन, इस प्रेरणादायक मूल मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जो उज्जैन ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बन गया। इस भव्य आयोजन में उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल सहित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

संपादकीय

वक्फ संशोधन पर सर्वोच्च अदालत के सवाल

सर्वोच्च अदालत वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 पर 'अंतरिम आदेश' जारी करने के मूड में है, लेकिन कानून पर फिलहाल रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। नए कानून की संवैधानिकता को चुनौती देती 73 से अधिक याचिकाएं प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने हैं। कुछ सवाल न्यायिक पीठ ने भी उठाए हैं, लेकिन वे वक्फ से जुड़े विवादों पर चिंतित भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भडक़ती-सुलगती हिंसा पर परेशानी और हैरानी जताई। अंतत उन्होंने अपील के स्वर में कहा-'मामला सर्वोच्च अदालत के सामने है, लिहाजा हिंसा बेमानी है। हिंसा नहीं की जानी चाहिए।' बहरहाल सर्वोच्च पीठ की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रही। पीठ ने 'वक्फ बाय यूजर' के मुद्दे पर केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और दो सप्ताह में उसका जवाब मांगा है। नए कानून में जो प्रावधान तय किए गए हैं, न्यायिक पीठ उनसे सहमत नहीं लगती। जस्टिस खन्ना ने कहा है कि अंग्रेजों से पहले वक्फ रजिस्ट्रेशन नहीं होता था। कई मस्जिदें 13वीं-14वीं सदी की हैं। आप ऐसे 'वक्फ बाय यूजर' को कैसे रजिस्टर करेंगे? वे दस्तावेज कहां से दिखाएंगे? यह असंभव है। यदि वक्फ बाय यूजर की संपत्ति को 'डी-नोटिफाई' किया जाता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। न्यायिक पीठ का तीन मुद्दों पर मूड स्पष्ट दिखाई दिया। एक, अदालत से वक्फ घोषित संपत्ति 'डी-नोटिफाई' नहीं होगी। वह वक्फ बाय यूजर हो अथवा वक्फ बाय डीड हो। दूसरा, कलेक्टर वक्फ संपत्ति का सर्वे कर सकते हैं, लेकिन वक्फ की संपत्ति वक्फ बोर्ड के पास ही रहेगी। उसकी प्रकृति नहीं बदल सकते। अदालत को सूचित करेंगे। तीसरा, वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद के सभी सदस्य मुस्लिम होने चाहिए, सिवाय पदेन सदस्यों के। वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों को लेकर प्रधान न्यायाधीश जस्टिस खन्ना और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के बीच तीखी बहस भी हुई। न्यायमूर्ति ने पूछा कि क्या सरकार हिंदू धार्मिक बोर्ड या मंदिरों के प्रबंधन में किसी मुसलमान को शामिल करेगी? यहां तक कि सॉलिसिटर जनरल ने न्यायिक पीठ के तीनों न्यायाधीशों के धर्म (हिंदू) पर सवाल उठाया। प्रधान न्यायाधीश ने जवाब दिया-'जब हम इस सीट पर बैठते हैं, तो हमारी व्यक्तिगत पहचान मायने नहीं रखती। कानून के सामने सभी पक्ष एकसमान हैं।' अब यदि सर्वोच्च अदालत कोई अंतरिम आदेश जारी करती है, तो उसमें कुछ निर्देश सरकारी कानून के खिलाफ भी हो सकते हैं। मुस्लिम पक्ष के वकील कपिल सिब्बल बार-बार अनुच्छेद 26 और 20 करोड़ लोगों की आस्था और उनके धार्मिक प्रबंधन के अधिकार का मुद्दा उठा रहे थे, तो प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा कि अनुच्छेद 26 सार्वभौमिक और धर्मनिरपेक्ष है। यह विधायिका को कानून बनाने से नहीं रोकता। यह सभी समुदायों पर लागू होता है। संसद ने हिंदुओं के संदर्भ में भी कानून बनाए हैं। न्यायमूर्ति ने सिब्बल को धार्मिक बातें कहने से रोका। सिब्बल ने ही 'अंतरिम आदेश' की मांग की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कानून पर रोक लगाने की मांग की थी। प्रधान न्यायाधीश ने उसे भी खारिज कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि जामा मस्जिद सरीखी स्मारक इमारतें यथावत रहेंगी। उनसे कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। जस्टिस खन्ना ने वक्फ संशोधन कानून की धारा 2-ए के प्रावधान पर चिंता जताई। इतना तो स्पष्ट लगता है कि न्यायिक पीठ वक्फ कानून को खारिज नहीं करेगी और रोक लगाने के भी आसार नगण्य हैं, लेकिन ऐसे कुछ सुधार करवा सकती है, जो संविधान के मद्देनजर न्यायोचित नहीं हैं।

2014 से 15 प्रतिशत बढ़े प्राइवेट स्कूल, लगातार बढ़ा रहे फीस

डॉ. ज्ञान पाठक

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों की फीस में की गयी अत्यधिक वृद्धि को लेकर जो विवाद छि?ा है, उससे देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में और भी भयावह जानकारी मिलती है। सरकारी स्कूलों की संख्या कम होती जा रही है और शिक्षकों तथा बुनियादी ढांचे की कमी के कारण उनमें शिक्षा की स्थिति खराब होती जा रही है। इससे प्राइवेट स्कूलों के पनपने और समृद्ध होने के लिए परिस्थितियां बनती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार हमेशा से देश में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा देती रही है। हाल ही के आंकड़ों से पता चलता है - 2014-15 से 2023-24 के दौरान प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और उन्होंने पिछले तीन वर्षों में अपनी ?ीस में 50-80 प्रतिशत की वृद्धि की है। दूसरी ओर, पिछले एक दशक के दौरान देश में सरकारी स्कूलों की संख्या में 8 प्रतिशत की कमी आयी है, जिनमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों में हैं।

दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों की फीस में की गयी अत्यधिक वृद्धि को लेकर जो विवाद छि?ा है, उससे देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में और भी भयावह जानकारी मिलती है। सरकारी स्कूलों की संख्या कम होती जा रही है और शिक्षकों तथा बुनियादी ढांचे की कमी के कारण उनमें शिक्षा की स्थिति खराब होती जा रही है। इससे प्राइवेट स्कूलों के पनपने और समृद्ध होने के लिए परिस्थितियां बनती हैं, जो केवल उन्हीं छात्रों को शिक्षा देते हैं जिनके माता-पिता या अभिभावक आर्थिक रूप से संपन्न हैं या कम से कम जो किसी तरह से फीस वहन कर सकते हैं, हालांकि बहुत मुश्किल से। यह इस देश के बच्चों के सार्वभौमिक और समान शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन करता है और अपेक्षाकृत गरीब परिवारों के बच्चों के लिए असमान शिक्षा स्तर बनाता है। अभिभावकों तथा माता-पिता में यह डर प्राइवेट स्कूलों के प्रति उनके आकर्षण को ब?ाता है।

अभी पिछले फरवरी महीने में ही केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा को बताया था कि 2014-15 और 2023-24 के बीच सरकारी स्कूलों की संख्या में 8 प्रतिशत की कमी आई है और प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल संख्या की बात करें तो सरकारी स्कूलों की संख्या में 89,441 की कटौती की गयी, जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या में 42,944 की वृद्धि हुई। वर्तमान में देश में 10,17,660 सरकारी स्कूल हैं, जबकि प्राइवेट स्कूलों की संख्या 3,31,108 है।

सदन में दिये गये आंक?ों से पता चला है कि भाजपा शासित दो राज्यों- मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक सरकारी स्कूल बंद किये। मध्य प्रदेश ने 29,410 सरकारी स्कूल बंद किये हैं और उत्तर प्रदेश ने 25,126 सरकारी स्कूल बंद किये हैं। इन दोनों राज्यों ने मिलकर देश में हुई कटौती में 60.9 प्रतिशत का योगदान दिया है। पिछले दशक के दौरान उत्तर प्रदेश में 19,305 प्राइवेट स्कूलों की वृद्धि देखी गयी, जो देश में प्राइवेट स्कूलों की कुल वृद्धि का 44.9 प्रतिशत है। मध्य प्रदेश में सरकारी स्कूलों में गिरावट 24.1 प्रतिशत रही, उसके बाद जम्मू-कश्मीर में 21.4 प्रतिशत, ओडिशा में 17.1 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 16.4 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 15.5 प्रतिशत, झारखंड में 13.4 प्रतिशत, नागालैंड में 14.4 प्रतिशत, गोवा में 12.9 प्रतिशत और उत्तराखंड में 8.7 प्रतिशत रही।

प्राइवेट स्कूलों के मामले में, कुल 10 राज्यों ने 14.9 प्रतिशत की औसत वृद्धि को पार कर लिया। बिहार में प्राइवेट स्कूलों में 179.14 प्रतिशत, ओडिशा में 80.36 प्रतिशत, तथा उत्तर प्रदेश में 24.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

तीन राज्य/केंद्र शासित प्रदेश जहां प्राइवेट स्कूलों की संख्या में गिरावट आयी, वे थे मेघालय में 5.36 प्रतिशत, एनसीटी दिल्ली में 2.88 प्रतिशत और हिमाचल प्रदेश में 0.27 प्रतिशत। यह कहने की जरूरत नहीं है कि इन राज्यों में सरकारी स्कूली शिक्षा की उपलब्धियां अधिक हैं, खासकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मामले में। अन्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारी स्कूल शिक्षा के मामले में पिछ? हुए हैं, जिसके कारण वहां प्राइवेट स्कूलों का दबदबा ब?ता जा रहा है।इससे ही समझा जा सकता है कि पिछले एक दशक में देश भर में प्राइवेट स्कूलों को सरकारी स्कूलों से ज्यादा अहमियत कैसे मिल रही है। इससे प्राइवेट स्कूल छात्रों से अत्यधिक फीस वसूलने में सक्षम हो जाते हैं।

एक तरफ परिवारों की वास्तविक आय में गिरावट और दूसरी तरफ प्राइवेट स्कूलों द्वारा अत्यधिक फीस वृद्धि की पृष्ठभूमि में इस साल की स्थिति विशेष रूप से अभिभावकों के लिए परेशानी भरी हो गयी है।

हाल ही में लोकल सर्किल द्वारा किये गये एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि देश में पिछले तीन वर्षों में प्राइवेट स्कूलों की फीस में 50-80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लगभग 93 प्रतिशत अभिभावकों ने फीस वृद्धि को नियंत्रित न करने के लिए सरकारों को दोषी ठहराया है। सर्वेक्षण में देश भर के 309 जिलों को शामिल किया गया। आठ प्रतिशत अभिभावकों ने बताया कि ट्यूशन फीस में वृद्धि 80 प्रतिशत से अधिक है। तमिलनाडु और महाराष्ट्र को छो?कर देश में कोई भी राज्य प्राइवेट स्कूल की फीस को नियंत्रित नहीं करता है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26की शुरुआत होते ही देशभर से प्राइवेट स्कूलों द्वारा अत्यधिक फीस वृद्धि के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की खबरें आ रही हैं। दिल्ली में, अभिभावकों का विरोध राजनीतिक हो गया है, क्योंकि राज्य में भाजपा सत्ता में आ गयी है और फरवरी 2025 का चुनाव हारने वाली आप विपक्ष में है। आप को सरकारी स्कूलों की शिक्षा को अधिकांश प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर बनाने का श्रेय दिया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों की संख्या में कमी आयी है। आप ने प्राइवेट स्कूलों में हाल ही में की गयी फीस वृद्धि को लेकर भाजपा शासन पर हमला करते हुए दावा किया है कि सत्तारू? भाजपा और गैर-सहायता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ के अध्यक्ष के बीच संबंध है, जिसके परिणामस्वरूप दिल्ली के स्कूलों में अत्यधिक फीस वृद्धि हुई है। यह मुख्यमंत्री से जुड़े हितों के टकराव का एक खुला मामला है।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, एक ही संगठन और उसके मुखिया, जिसका मुख्य एजंडा दिल्ली भर में स्कूल फीस ब?ोतरी को ब?ावा देना है, भाजपा के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के चुनाव अभियान में शामिल थे। जवाब में, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप फरवरी के चुनाव में हार से निराश है।

षडयंत्रकारी नासिक कलेक्टर को गोली मारी थी

रमेश शर्मा

भारतीय स्वाधीनता संघर्ष में अनंत वीरों का बलिदान हुआ है। कुछ के तो नाम तक नहीं मिलते और जिनके नाम मिलते हैं उनका विवरण नहीं मिलता। नासिक में ऐसे ही क्राँतिकारियों का एक समूह था जिनमें तीन को फाँसी और दो को आजीवन कारावास का वर्णन मिलता है। अन्य किसी का नहीं। इसी समूह में तीन बलिदानी अनंत लक्ष्मण कान्हेरे, कृष्ण गोपाल कर्वे और विनायक नारायण देशपाँडे थे जिन्हें 19 अप्रैल 1910 में फाँसी दी गई। इनमें विनायक नारायण देशपांडे और कृष्ण गोपाल कर्वे का विवरण न के बराबर मिलता है ।उन दिनों नासिक में एक कलेक्टर जैक्सन आया। वह संस्कृत और भारतीय ग्रंथों का कथित जानकार था। वह चर्च से जुड़ा था। उसने प्रचारित किया कि वह पूर्व जन्म में संत था। उसका लक्ष्य भारतीय जनजातियों और अनुसूचित समाज पर था। वह ग्रंथों पर आधारित कथाओं के उदाहरण देता और उन्हे प्रभावित करने का प्रयत्न करता। उसके लिये अधिकारियों की एक टीम उस का प्रचार का कार्य कर रही थी। इससे क्षेत्र में सामाजिक दूरियाँ बढ़ने लगीं और धर्मान्तरण होने लगा। मतान्तरण रोकने और समाज में स्वत्व जागरण के लिये गणेश सावरकर जी ने युवकों का एक समूह तैयार किया। इसमें अनंत कान्हेरे, श्रीकृष्ण कर्वे और विनायक देशपांडे जैसे अनेक ओजस्वी युवक थे। जो सामाजिक और सांस्कृतिक जागरण में लग गये। गणेश सावरकर और इस टोली के काम से कलेक्टर सतर्क हुआ। तभी गणेश सावरकर जी ने कवि गोविंद की राष्ट्रभाव वाली रचनाएँ संकलित कीं और सोलह रचनाओं का का संकलन प्रकाशित कर दिया। कलेक्टर को यह पुस्तक बहाना लगी और राष्ट्रद्रोह के आरोप में सावरकर जी बंदी बना लिये गये। यही नहीं पुलिस ने पुस्तक की तलाश का बहाना बनाकर उन सभी घरों पर दबिश दी जो उसके मतान्तरण षड्यंत्र से समाज को जाग्रत करने में लगे। तब युवकों की इस टोली ने नासिक को इस कलेक्टर से मुक्त करने की योजना बनाई। अनेक सार्वजनिक और प्रवचन के आयोजनों में प्रयास किया पर अवसर हाथ न लगा।

अंततः अवसर मिला 21 दिसम्बर 1909 को। कलेक्टर की शान में एक मराठी नाटक का मंचन किया जा रहा था ।कलेक्टर के कार्यों से ब्रिटिश सरकार और चर्च प्रसन्न था। कलेक्टर जैक्सन को पदोन्नत कर आयुक्त बनाकर मुम्बई पदस्थ करने के आदेश हो गये। विजयानंद थियेटर में नाटक का यह मंचन उसी उपलक्ष्य में था। यही अंतिम अवसर है यह सोचकर कृष्णाजी कर्वे, विनायक देशपांडे और अनंत कान्हेरे थियेटर में पहुँचे। योजना बनी कि गोली अनंत कान्हेरे चलायेंगे और शेष दोनों कवर करेंगे। उनके पास भी रिवाल्वर थे। तीनों अपने साथ विष की पुड़िया भी लेकर गये थे। योजना थी कि यदि पिस्तौल में गोली न बची तो विषपान कर लेंगे ताकि पुलिस जीवित न पकड़ सके। नाटक का मंचन पूरा हुआ लोग बधाई देने कलेक्टर के आसपास जमा हुये। अवसर का लाभ उठाकर ये तीनों क्रान्तिकारी भी समीप पहुँचे। श्रीकृष्ण कर्वे और देशपांडे ने जैक्सन को उठाकर नोचे पटका और उसके सीने पर पैर रखकर अनंत ने चार गोलियां उसके सीने में उतार दीं। जैक्सन तुरंत मार गया। वहाँ उपस्थित दो अधिकारियों पलशिकर और मारुतराव ने अनंत पर अपने डंडों से हमला किया। आसपास के अन्य लोग भी टूट पड़े। इससे तीनों को न तो स्वयं पर गोली चलाने का अवसर मिला और न विषपान करने का। तीनों वहाँ उपस्थित कलेक्टर समर्थक अधिकारियों के हमले से बुरी तरह घायल हो गये। उन्हे बंदी बना लिया गया। इस घटना की गूँज लंदन तक हुई। तीनों क्रान्ति कारियो की आयु अठारह से बीस वर्ष थी।

इनमें अनंत कान्हेरे का जन्म 7 जनवरी 1892 को रत्नागिरी जिले के खेत तालुका के एक छोटे से गांव अयानी में हुआ था। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा निजमाबाद में और उनकी अंग्रेजी शिक्षा औरंगाबाद में हुई। 1908 में कान्हेरे औरंगाबाद लौट आए जहां उन्हें गंगाराम नामक एक मित्र ने क्राँतिकारी आँदोलन से जोड़ा था। दूसरे क्राँतिकारी कृष्णजी गोपाल कर्वे का 1887 में हुआ था। उन्होने बीए ऑनर्स क पूरा किया था मुंबई विश्वविद्यालय में एलएलबी में प्रवेश ले लिया था। वे नासिक में अभिनव भारत से जुड़े थे। जैक्सन की हत्या की योजना बनी तो इसमें शामिल हो गये। तीसरे क्राँतिकारी का परिचय बहुत ढूँढने पर भी न मिला पर फाँसी की सूची में उनका नाम है

बॉम्बे कोर्ट में मुकदमा चला 29 मार्च 1910 को इन तीनों क्राँतिकारियों को हत्या का दोषी पाकर फाँसी की सजा सुनाई गई और 19 अप्रैल 1910 को ठाणे जेल में तीनों को फाँसी दे दी गई। अधिकारियों ने तीनों के शव परिवार को भी नहीं सौंपे। जेल में ही जला दिया और अवशेष समन्दर में फेंक दिये। जैक्सन हत्याकांड में दो अन्य क्रान्तिकारियो को आजीवन कारावास मिला। जिनकी जेल की प्रताड़नाओं से बलिदान हुआ।

शत शत नमन इन क्राँतिकारियों को।

देश की नवीन प्रतिभाओं के लिए नीति बनाइए

राकेश दुबे

आँकड़े सामने है कि बीते साल विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में 25 प्रतिशत की कमी आई है। इसमें भी अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या में 36 और कनाडा जाने वाले छात्रों की संख्या में 34 प्रतिशत की कमी आई है। यही स्थिति ब्रिटेन की भी है। आंकड़े वर्ष 2024 के हैं। निश्चित तौर पर जब ट्रंप काल में उखाड़-पछाड़ के दौर के आंकड़े सामने आएंगे, तो वे ज्यादा चौंकाने वाले होंगे।

एक समय था कि छात्रों में परदेस जाकर पढ़ाई करने का जुनून उफान पर था। हर साल मां-बाप खून-पसीने की कमाई से और अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ने के लिये विदेश भेज रहे थे। कहीं-कहीं तो खेत बेचकर और घर गिरवी रखकर बच्चों को विदेश पढ़ाने के लिए भेजने के मामले भी प्रकाश में आए। देश में बैंकों से एजुकेशन लोन मिलने की सुविधा ने भी छात्रों की विदेश यात्रा को सुगम बनाया। हर साल लाखों छात्र सुनहरे सपने लिये विदेश गमन कर रहे थे। ये जुनून पंजाब में विशेष रूप से देखा गया, जो कनाडा-अमेरिका आदि देशों में संपूर्ण भारत से जाने वाले छात्रों का साठ प्रतिशत था। जरूरी नहीं था कि ये सारे छात्र मेधावी थे और सब दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में दाखिला पा रहे थे। इनमें कई विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो सिर्फ विदेशी छात्रों से कमाई करने के मकसद से चलाए जा रहे थे। वहीं कुछ विश्वविद्यालय ऐसे भी थे जो अवैध रूप से लोगों को विदेश भेजने वाले एजेंटों की कमाई का जरिया बने हुए थे। युवाओं को छात्र के रूप में इन देशों में भेजकर मोटी रकम वसूली जा रही थी। दरअसल, धीरे-धीरे छात्रों और उनके अभिभावकों को हकीकत का अहसास होता चला गया। उन्होंने महसूस किया कि वे मोटा पैसा खर्च करके जैसे-तैसे डिग्री तो पा सकते हैं, लेकिन ये नौकरी व ग्रीन कार्ड की गारंटी नहीं है। कुछ छात्र किसी तरह छोटे-मोटे काम-धंधे करके अपनी पढ़ाई का खर्चा व घर का कर्जा उतारने का जुगाड़ जरूर कर लेते थे।

धीरे-धीरे अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों के दुराग्रहों व उनकी प्राथमिकताओं ने छात्रों को खुरदुरी जमीन के यथार्थ से रूबरू करा दिया। छात्रों को एजेंटों ने जो सब्जबाग दिखाए थे, उनकी हकीकत सामने आने लगी। इसके अलावा कोरोना काल के बाद बिखरती अर्थव्यवस्थाएं, नौकरी के आकर्षक प्रस्तावों में कमी, वीजा मिलने में हो रही दिक्कतें, इन देशों के गोरी चमड़ी वाले लोगों के भारतीयों पर बढ़े हमलों ने छात्रों में मोहभंग की स्थिति उत्पन्न कर दी।

बीते साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों पर नस्लीय हमले हुए। कई छात्रों की हत्या हुई और अनेक घायल हुए। कनाडा व ब्रिटेन में भारत विरोधी अभियानों तथा कनाडा में जस्टिन ट्रूडो के भारत विरोधी रवैये ने भी छात्रों का मोहभंग किया। वैसे देखा जाए तो विदेशी मुद्रा अर्जित करने के बजाय हम हर साल अरबों रुपये इन देशों को भेज रहे थे। दूसरी ओर छात्रों के विदेश जाने के मोहभंग होने का सार्थक पहलू यह भी है कि अब ये प्रतिभाएं देश में रहकर राष्ट्र के विकास में योगदान दे सकती हैं।

कुदरत का नियम है कि अपनी उर्वरा भूमि में ही पौधे अनुकूल वातावरण के चलते खिलते-निखरते हैं। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश को अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले विश्वविद्यालय नहीं दे पाये। सामान्य शिक्षा में कौशल विकास के गुण को विकसित नहीं कर पाए। छात्रों में सरकारी नौकरियां पाने की लालसा को रचनात्मक विकल्प नहीं दे पाये। अमेरिका की सिलिकॉन वैली से लेकर आईटी से जुड़ी तमाम बड़ी कंपनियों को भारतीय प्रतिभाएं चला रही हैं। आखिर क्यों हम भारतीय मेधाओं को देश में ऐसा वातावरण नहीं दे पा रहे हैं, कि वे नई खोजों व अनुसंधान से देश को लाभान्वित कर सकें। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं वाला देश है। यदि हम उनकी क्षमता,योग्यता और प्रतिभा का बेहतर उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, तो यह हमारी बड़ी नाकामी है। देश के सत्ताधीशों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि क्यों छात्रों में विदेश जाने की होड़ लगी रहती थी। छात्रों को अनुकूल वातावरण देकर ही विकसित भारत के संकल्प पूरे हो सकते हैं।

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुड़े जीवन-संकट

ललित गर्ग

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप ब?ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से ख? हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जु?ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार ब?ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तो? देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की हो? के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को ब?ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से ब?ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जु? रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बा? हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है।

प्रतिवर्ष धरती का तापमान ब? रहा है। आबादी ब? रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना प?ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से 'तीसरा ध्रुव' कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करो?ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना प?ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बड़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा ब?ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक ब?ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नर्मदा की आस्था में डुबकी लगाने वाले हर व्यक्ति के मन में बसा सेठानी घाट

जब भी किसी धरोहर की बात आती है तो मेरी स्मृति में सबसे पहले होशन्गाबाद जो कि वर्तमान में नर्मदपुरम के नाम से जाना जाने लगा है। के मनोरम सेठानी घाट का स्मरण हो जाता है।

नर्मदा नदी होशंगाबाद की अनूठी पहचान है। विश्व प्रसिद्ध सेठानी घाट 130 साल पुराना है। नर्मदा किनारे बसे होशंगाबाद में 100 से ज्यादा मंदिर, 7 मुख्य घाट हैं। जगदीश मंदिर से पयर्टन घाट तक का 2 हजार मीटर घाट क्षेत्र में सुबह शाम मंदिरों में आरती और घंटियां मन को प्रफुल्लित करती हैं।वैसे तो वहाँ पर राजघाट, मंगलवाराघाट, गोलघाट ,कोरीघाट, विवेकानन्द घाट जैसे कई घाट हैं ।मुख्य रूप से सबसे सुंदर व व्यवस्थित घाट सेठानी घाट हैयह भारत के सबसे बड़े घाटों में से एक है । नर्मदा जयंती समारोह के दौरान घाट जीवंत हो उठता है जब हज़ारों लोग घाट पर एकत्र होते हैं और नदी में दीये प्रवाहित किए जाते हैं।

मेरी प्रारम्भिक शिक्षा से लेकर स्नातक तक की शिक्षा नर्मदपुरम में ही हुई है इसलिए मैं वहाँ की हर खट्टी मीठी यादों को अपने दिल में रखी हूँ।नर्मदा नदी पर यह घाट उन्नीसवीं सदी में बना है। नदी के किनारे लगभग सात घाट और सौ से भी अधिक मन्दिर है। वहाँ पर किनारे पर बना हनुमान जी का मन्दिर, पंच मुखी महादेव एवम् काले महादेव के दर्शन करने हम लोग अक्सर जाया करते थे।

सेठानी घाट के बारे में बताया जाता है कि नर्मदपुरम के एक शर्मा परिवार की सेठानी जानकी बाई सेठानी ने इसका निर्माण कराया था। बाद में उन्होंने नर्मदाजी की पूजा अर्चना की थी और एक जीवित मछली को सोने की नथ पहना कर जल में छो? दिया था। तब से आज भी लोग अपनी मन्नत लेकर जाते हैं और पूरी हो जाने पर सोने की नथ मछली को पहनाकर जल में छोड़ देते हैं। अब तो तुरन्त ही नाव वाले उस मछली को पकड़ लेते हैं।

ल ा ल पत्थरों से बने इस सुंदर घाट की सीढ़ियाँ और गुरजे आज भी अपनी मजबूती और सुंदरता को बनाये हुए हैं।

नर्मदा के किनारे पर होने वाली हलचल और वहाँ के मनोरम दृश्य को मैं कभी नहीं भूल पाती हूँ। नर्मदा की आस्था में डुबकी लगाने वाले हर व्यक्ति के मन में सेठानी घाट बस जाता है। नर्मदा में जो प्रवाह है वह मध्य प्रदेश की जीवन रेखा है। सुबह सुबह जब स्नान करने जाओ तो ऐसा लगता है कि- रात्रि विश्राम करने के बाद नर्मदा नदी भी अपने भक्तों के दुःख हरने के लिए बड़े वेग से बह रही है।उठती लहरों की आवाजें आस पास के पेडों पर विश्राम करते पक्षियों को जगा देती है। वे भी कलरव करके ऊँची उड़ान भरने का संकल्प करने लगते हैं।

किनारों पर बैठे बगुले नर्मदा की लहरों के साथ सूर्य के आगमन और स्वागत की तैयारी में लग जाते हैं। मंदिरों से आने वाली घंटियों की मधुर धुन, आरतियों का सुंदर कर्णप्रिय स्वर मन को प्रफ्फुलित करने लगता है। भोर के स्नान के बाद लाल लाल सूर्य के साथ ऐसा लगता है मानो अपन भी नर्मदाजी और प्रकृति के साथ मिलकर प्रभाती गा रहे हों। नर्मदाजी के सेठानी घाट पर सुबह शाम लगभग एक जैसी ही हलचल होती है। कहीं कोई पूजा अर्चना की तैयारी कर रहा है, कोई गीले बदन को टॉवेल से सुखा रहा है ,कोई तिलक लगवा रहा है, कोई कपूर से आरती कर रहा है, कोई लोभान जलाकर खुशबू बिखेर रहा है। तो कहीं बाहर से आई टोली ÷नर्मदे हर ÷ के नाद से वातावरण को सुखद बना रही है। इस घाट के बारे में जितनालिखूँ उतना कम है।

आदि उत्सव कार्यक्रम स्थल का सांसद ने किया निरीक्षण

मण्डला। जिले में होने वाले आदि उत्सव कार्यक्रम 4 और 5 मई को नैनपुर आदिवासी संस्कृति और कला व उनके गौरवशाली इतिहास को आज की पीढ़ी से रूबरू कराने आदिवासी उत्सव का आयोजन किया जाता है इसी क्रम में 4 और 5 मई को भव्य और दिव्य आयोजन रामनगर किला और परिसर में होगा इस हेतू तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है।मंडला सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने रामनगर किला में आला अधिकारियों की बैठक की बैठक के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी,पुलिस अधीक्षक के अलावा सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे सभी से सांसद ने सुझाव मांगे,नए अधिकारी जो जिले में आये है पुराने अधिकारी है उनके साथ आदि उत्सव कार्य योजना में शामिल होकर बेहतर काम करने की बात कही,इस दो दिवसीय आदि उत्सव पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के साथ कई मंत्री गण का आना तय है इसके लिए सांसद जी ने किला परिसर में बैठक के साथ निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए इस दौरान किले के इतिहास और गौरवशाली परम्परा को बनाए रखने और भव्य और दिव्य आयोजन हो उस हेतू कार्यक्रम की रूप रेखा खींची गई पूर्व केंद्रीय मंत्री मंडला सांसद ने आयोजन स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मौजूदाजन सामान्य और पत्रकारों से भी अभिमत मांगा कार्यक्रम को ऐतिहासिक पलो में संजोने और यादगार बनानें रूप रेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

आज विधायक देंगे नवीन 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्रों की सौगात

सिरोंज। किसानों को बिजली केंद्र की सौगात विधायक उमाकांत शर्मा के प्रदान की जाएगी।ग्राम पगरानी में क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा 2 करोड 50 लाख की लागत से निर्मित हुए 33/11 केव्ही विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण करेंगें। सब स्टेशन के शुभारंभ से आस-पास के 16 ग्रामों पगरानी, झुकरहौज, देवीटोरी, बागरोद, सुमेरपुर, पाटन, पीपलखे?ा, कमलिया, बरधई, मनाखे?ी, महुआखे?ा पृथ्वीराज, सरवरपुर, जलालपुर, रूसल्ही साहू, कृण्डई, कल्याणपुर आदि को निर्बाध रूप से सिंचाई के लिए विद्युत उपलब्ध होगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष विधानसभा क्षेत्र सिरोंज-लटेरी में एक साथ 6 सब स्टेशन विधायक श्री शर्मा ने स्वीकृति कराए थे आज वह सभी 6 स्टेशन बनकर तैयार हो गये है। साथ ही श्री शर्मा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्यों का निरीक्षण किया जावेगा तथा विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के हितग्राहियों से सीधा संपर्क करेंगें।

आइसक्रीम फैक्टरी सील

सतना। शहर में नकली आइसक्रीम बनाने वाली फैक्ट्री को सील किया गया एसडीम राहुल सिलोरिया द्वारा चाणक्यपुरी कॉलोनी में चल रही आइसक्रीम फैक्ट्री की जांच की गई जहां पाया गया मानक के आधार पर उक्त फैक्ट्री संचालित नहीं है जिसे सील करते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए खाद विभाग को निर्देशित किया यह फैक्ट्री जाग्यासी बंधु की बताई जा रही है

पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के आदेश से सीईओ पर मामला दर्ज किया गया

सतना मैहर। तीन दिवसीय दौरे में मैहर पहुंचे मध्यप्रदेश सरकार के पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने मैहर जिले के अमरपाटन जनपद पंचायत सीईओ जो जनपद अध्यक्ष को गोली मारने पर आर्डियो वायरल के बाद पंचायत मंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहे की मै जनपद सीईओ के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया हू ओर सीईओ गिरफ्तार भी हो चुके हैं मैं विभाग का मंत्री होने के नाते मैं शर्मिन्दा भी हूं मैं जनपद सीईओ को बर्खास्त करने का निर्देश भी कर दिया हूं भाजपा सरकार में जनप्रतिनिधियों सहित आम जन लोगों का सम्मान में कोई कमी नहीं रहेगी वहीं सीईओ के खिलाफ विभागीय जांच भी करवाऊंगा। अमरपाटन थाने में सीईओ ऑफिस थाना के खिलाफ धारा 79 ,224 ,351 ,(3) और 252 के तहत अपराध पंजीकृत किया गया आस्थान को पन्ना जिले से गिरफ्तार किया गया

ओद्योग के विस्तार में आ रहा अमोदा ग्राम, ग्रामवासियों ने लगाई आपत्ति

औबेदुल्लागंज (संवादाता)। 15 अप्रेल को ग्रामीणों को सुचना मिली कि उनके ग्राम की भूमि को उद्योग के बहाने शासन द्वारा उद्योगपतियों को दी जा

रही है। आनन-फानन में ग्रामीणों द्वारा तहसील में आपत्ति लगाई गई। आपत्ति तहसीलदार के साथ अनुविभागिय अधिकारी को दी गई। आपत्ति में विशाल चौहान एग्युक्यूटिव डायरेक्टर एम.पी.आई.डी.सी भोपाल के द्वारा निर्धारित प्रारूप-एक पर ऑनलाइन उक्त आवेदन क्रमांक द्वारा ग्राम अमोदा तहसील गौहरगंज में किया जाने का विज्ञप्ति प्रस्तुत की गई परन्तु उससे पहले ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाया गया कि ग्राम अमोदा की जो, भूमि अधिग्रहण होना है उक्त भूमि पर ग्रामीणों की आस्था, गोशाला, तालाब एवं कई लोगों का निवास स्थान है। उक्त भूमि पर अमोदा निवासियों द्वारा खेड़ापति माता मंदिर होना एवं खेल मैदान होना बताया गया है। बड़ी संख्या में अमोदा के ग्रामवासी तहसील पहुंचे एवं अपनी आपत्ति सम्बंधित अफसरान को सौपी। आने वाले समय में देखना होगा कि शासन द्वारा उक्त भूमि पर अद्योगपतियों को भूमि अवंटित होगी या भाजपा का वोट बैंक काहे जाने वाले ग्रामीणों की सुनवाई होगी।

जीसीसीआई की भोपाल में आयोजित बैठक में पहुंचे गोप्रेमी, जयपुर गोटेक को लेकर बनी रणनीति, गो आधारित मॉडल को मिलेगा विस्तार

भोपाल। ग्लोबल कन्फेडरेशन ऑफ काउ-बेस्ड इंडस्ट्रीज मध्यप्रदेश की प्रादेशिक बैठक भोपाल स्थित एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में सम्पन्न हुई। बैठक में गौटेक 2025 जयपुर के लिए प्रदेश से बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने, जिला-तहसील स्तर पर संगठन विस्तार और गौ आधारित मॉडल को बढ़ावा देने हेतु रणनीति तैयार की गई।

बैठक के मुख्य अतिथि और पूर्व केंद्रीय मंत्री, जीसीसीआई राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया ने कहा कि गौ आधारित उद्योग भारत को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। जीसीसीआई द्वारा दिनांक 30-31 मई और 1-2 जून को जयपुर में आयोजित गौटेक 2025 सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि गौ क्रांति का महायज्ञ है। साथ ही आयोजन में वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, उद्यमियों और गौसेवकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष, जीसीसीआई मध्यप्रदेश श्री दिलीप धनराज गुप्ता ने कहा कि जीसीसीआई का उद्देश्य हर जिले और तहसील तक संगठन का विस्तार कर, प्रदेश के युवाओं और किसानों को गौ आधारित स्टार्टअप्स से जोड़ना है। हमारा लक्ष्य है – 'गांव-गो-गौरव' को फिर से स्थापित करना। प्रदेश संरक्षक, जीसीसीआई स्वामी श्री श्री कृष्णानन्द महाराज ने कहा कि गौ सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, यह आध्यात्मिक, सामाजिक और वैज्ञानिक समाधान है। हमें भारत की सनातन परंपरा को विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ना होगा।

राष्ट्रीय गोसेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश में गो संवर्धन को जनआंदोलन बनाना है। गाँव-गाँव तक युवाओं को प्रशिक्षित कर, उन्हें गो आधारित रोजगार से जोड़ने का कार्य तेज़ किया जाएगा।बैठक में डॉ. योगेन्द्र कुमार सक्सेना (वैज्ञानिक, सेंट्रल पॉल्यूशन बोर्ड), जिन्होंने गो-काष्ठ आंदोलन की शुरुआत की, ने बताया कि इस प्रयास से अब तक 5.10 लाख क्विंटल लकड़ी और 3400 एकड़ वन क्षेत्र को बचाया जा सका है। गो-काष्ठ का उपयोग अब शवदाह, होलिका दहन, होटल तंदूर और औद्योगिक बॉयलरों में लकड़ी के विकल्प के रूप में हो रहा है।

जीसीसीआई के मध्य प्रदेश मीडिया संयोजक भागीरथ तिवारी ने प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि जीसीसीआई मध्य प्रदेश की बैठक में जो निर्णय लिए गए है वो इस प्रकार है- गौटेक 2025 ङ्क जयपुर में मध्यप्रदेश से अधिकतम सहभागिता का लक्ष्य, जिला और तहसील स्तर पर जीसीसीआई इकाइयों का गठन, हर जिले में 5 मॉडल गोशालाओं का निर्माण, प्रत्येक संभाग में प्रादेशिक बैठक आयोजित करना, युवाओं को गौ संवर्धन व गौ आधारित उद्योगों से जोड़ना। मध्य प्रदेश शासन द्वारा गोशाला की अनुदान राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये करने पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं पशुपालन मंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया है। चरनोई भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने ,गोटेक के कार्यकम में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने संबंधी एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे एवं कुलपति नरेंद्र थापक ने बैठक में पधारे राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वल्लभ भाई कथीरिया का पौधा भेंट और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया।

बैठक में जवाहरलाल गुप्ता, शैलेश पालीवाल (इंदौर), सुमनलता ताम्रकर, अजय नरेलिया (शाजापुर), गंभीर सिंह राजपूत (नर्मदापुरम), राजेश चौहान (झाबुआ), राम रघुवंशी (अशोकनगर), राजवीर सिंह (मुरैना), मनोज प्रताप सिंह (सतना), ईश्वर अंबोदिया (उज्जैन), भगवान सिंह सिंगोरिया (रायसेन), शिशिर विश्वकर्मा (छिंदवाड़ा),वरिष्ठ पत्रकार अनोखे लाल द्विवेदी ,भागीरथ तिवारी (नरसिंहपुर), ए. सी. द्विवेदी (भोपाल), हुकुम सिंह पाटीदार (नीलबड़), दीपाली उपाध्याय, अजय सोनी (भोपाल) सहित प्रदेश के गोसेवा संगठनों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। संचालन शैलेंद्र तेनगरिया ने किया और आभार पवन दुबे ने व्यक्त किया।

कलेक्टर ने किया ग्राम सासबहू में सुपर सीडर मशीन से मूंग की बोनी का अवलोकन

नरसिंहपुर। कलेक्टर शीतला पटले ने जिले की करेली विकासखंड के ग्राम सासबहू में सुपर सीडर से मूंग की बोनी का अवलोकन किया। उन्होंने यहां कृषक शोभाराम साहू, छोटेलाल साहू, बाबूलाल और प्रेमनारायण के खेतों में जाकर भ्रमण किया। इस दौरान चना और गेहूं की फसल कटाई के बाद बिना जुताई के मूंग की बोनी का अवलोकन कर किसानों को नरवाई/ पराली जलाने के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताते कहा कि खेतों में आग लगाने से भूमि में मौजूद सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं, मिट्टी की भौतिक संरचना खराब हो जाती है और पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव प?ता है। कलेक्टर ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे राज्य शासन द्वारा जारी आदेश का पालन करें। आदेश के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही की जावेगी। उन्होंने जिले के किसानों को सुपर सीडर जैसी आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, जो पर्यावरण संरक्षण के साथ- साथ लागत को कम करने और उत्पादकता बढ़ाने में सहायक हैं।

इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी, अन्य अधिकारी और स्थानीय नागरिक मौजूद थे। कलेक्टर के इस भ्रमण से किसानों को नई तकनीकों को अपनाने और पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिली है।

दमोह विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न

सम्मेलन में वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर कार्यकर्ताओं को उद्बोधन दिया

दमोह। दमोह विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बांदकपुर, अभाना, बांसा तारखेड़ा, दमयंती और दीनदयाल मंडल का विधानसभा स्तरीय सक्रिय सदस्य सम्मेलन जिला भाजपा कार्यालय दमोह में भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यअतिथि के रूप में म.प्र. सरकार के पूर्व वित्त मंत्री दमोह विधायक जयंत मलैया, मप्र शासन के राज्य मंत्री पथरिया विधायक लखन पटैल, दमोह सासंद राहुल सिंह लोधी, जिला संगठन प्रभारी सतानंद गौतम के आतिथ्य में आयोजित हुआ। पूर्व जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, विघासागर पांडे, हेमंत छाबडा, राजेंद्र सिंघई, जनपद अध्यक्ष प्रीति सिंह, जिला महामंत्री गोपाल पटैल, रामेश्वर चौधरी, अमित बजाज, अरूण तिवारी, जिला मंत्री संजय यादव, वर्षा रैकवार, अर्चना जैन, जिला कार्यालय मंत्री रामलाल उपाध्याय, जिला मीडिया सह प्रभारी महेंद्र जैन, रिंकू गोस?वामी, संदीप शर्मा सहित मंडल अध?यक्ष बृजेश सिंह लोधी, दान सिंह लोधी, सुरेंद्र तोमर, रमाकांत बाजपेयी, राजे?द्र चौरसिया मंचासीन रहे। सम्मेलन में वक्ताओं द्वारा तीन महत्वपूर्ण विषयों पर संबोधन दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा भारत माता व पितृ पुरुष डॉ श्यामा प्रसाद जी मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं की सफलता का फल है कि आज भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल के रूप में कार्य कर रही है, जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध, एवं शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिये कृत संकल्पित है।

भाजपा युवा मोर्चा ने किया कांग्रेस नेता राहुल और सोनिया का पुतला दहन

मण्डला। नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) के द्वारा सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दायर करने के संबंध में कांग्रेस द्वारा देश की जनता को गुमराह किए जाने के विरोध में स्थानीय नेहरू चौक में भाजपा युवा मोर्चा के द्वारा राहुल गांधी और सोनिया गांधी का पुतला दहन किया गया।कांग्रेस सरकार ने अपने शासनकाल में अनेकों घोटाले किए हैं देश को भुखमरी और गरीबी की गर्त में धकेल दिया था और देश की जनता को लगातार बरगलाने का प्रयास किया है लेकिन ये नया भारत है यहां भ्रांतियां फैलाकर झूठ बोलकर बचा नहीं जा सकता,यहां सबके लिए कानून एक समान है,जो भी गुनाहगार है उन्हें सजा अवश्य मिलेगी।

यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस की भ्रष्ट और देश विरोधी नीतियों के विरुद्ध युवाओं के आक्रोश का प्रतीक है।इस प्रदर्शन से कांग्रेस को यह संदेश दिया गया कि देश को लूटने वालों को क्षमा नहीं किया जाएगा।पुतला दहन के दौरान मीडिया से बात करते हुए जिलाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि नेशनल हेराल्ड भ्रष्टाचार मामले में की गयी कार्यवाही से कांग्रेस बौखला गयी है एवं देश की जनता को गुमराह कर बेईमानी एवं भ्रष्टाचार करने की छूट मांग रही है। कांग्रेस को भ्रष्टाचार नहीं करने दिया जायेगा और जांच एजेंसी विधि सम्मत कार्यवाही की जायेगी इस दौरान युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष आशीष झारिया,नगर अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, विनय मिश्रा, सोशल मीडिया जिला संयोजक अंशुमाली शुक्ला,नगर महामंत्री सौरभ गुप्ता,मयंक विश्वकर्मा,विभोर मिश्रा, अजीत सिंहानी,रवि सोनवानी,मोंटी मलिक,शानू दुबे, सचिन शर्मा,हरीश गुरवानी, शिखा श्रीवास्तव,शुभम श्रीवास,सुधीर मिश्रा, नरेश सिंधिया, संजय गुप्ता, पंकज दुबे,संदीप सिंगोर सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य केंद्रों का जायजा लेने पहुंचे तहसीलदार

सर्वेयरों की एसडीएम ने बैठक लेकर दिए सख्त निर्देश, पैसे लिया तो होगी कड़ी कार्रवाई

सिरोंज। एक दिन पहले चाठोली के समर्थन मूल्य केंद्र पर फसल पास करने के बदले में सर्वेयर पर किसान से 2000 लेने का वीडियो वायरल हुआ था इसके बाद अपर कलेक्टर ने जांच करने के निर्देश एसडीएम को दिए थे इसके बाद संबंधित कृषक से पैसों के संबंध में पूछताछ की तो किसान पैसे देने की बात से पलट गया इस वजह से प्रशासन उक्त सर्वेयर पर कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। एसडीएम हर्षल चौधरी ने किसानों के हित में सर्वेयरों की तहसील कार्यालय में बैठक लेकर कड़े शब्दों में कहा कि किसी भी कृषक से उनकी से फसल पास करने के नाम पर वसूली की तो संबंधित सर्वेयरों पर ठोस कार्रवाई की जाएगी इस बात का सभी विशेष ध्यान रखें साथ उन्होंने कहा कि एफाएक्यू मापने के लिए 5 से 10 किलो फसल ली जा रही हैं जिन किसानों की फसल पास हो रही उनको लौटने काम करें। इसके अलावा उन्होंने तहसीलदार तथा नायाब तहसीलदारों को प्रतिदिन समर्थन केंद्रों का निरीक्षण करने निर्देश दिए। इसके बाद शुक्रवार को समर्थन मूल्य केंद्रों का निरीक्षण करने के लिए तहसीलदार संजय चौरसिया ओर नायब तहसीलदार जगदीश प्रजापति पहुंचे इन्होंने सबसे पहले गुणवत्ता की जांच की वेयरहाउस में उपार्जन हो रही फसल को देखा खरीदीं पर मौजूद किसानों से चर्चा करके सर्वेयरों के द्वारा फसल पास करने के बदले में कहीं कोई पैसे तो नहीं लिए जा रहे हैं फसल उपज पास करने के बदले में यदि कोई पैसों की मांग करता है तो हमें बताएं हम कार्रवाई करेंगे किसी को एक पैसा नहीं देना है साथ कहां कि भराई तुलाई के भी पैसे नहीं देना है कोई मांग करता है तो हमें बताएं बताएं हमें पर इन करवाई करेंगे

समर्थन मूल्य पर सरकार के द्वारा गेहूं, चना, मसूर,सरसों की खरीदी करवाई जा रही है संबंध विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण किसान को समर्थन मूल्य केदो का मुश्किलों का सामना करना पड़ा खाद्य पूर्ति विभाग के अधिकारी फील्ड में जाते ही नहीं है इस वजह से अधिकांश सर्वेयरों के द्वारा फसल पास करने की बदले में अवैध वसूली की जा रही है। इसके साथ ही कई बार वेयरहाउसों पर उपज भरने तोलने के नाम पर हम्मलो के द्वारा भी पैसों की मांग की जाती है। मजबूरी में किसानों इन्हें पैसे देने पड़ा है क्योंकि पैसे नहीं देते हैं तब तक फसल तोली नहीं जाती है। यह सब खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से हो रहा है तभी तो यहां जांच करने नहीं जाते हैं।

इनका कहना है

सभी सर्वेयरों की बैठक लेकर उन्हें निर्देश दिए कि किसी भी किसान से पैसे मांगे या लिए तो कड़ी कार्रवाई करेंगे तहसीलदार नायब तहसीलदार प्रतिदिन केंद्रों निरीक्षण करेंगे मैं भी ज्यादा लेने जाऊंगा दूसरी ओर जिस किसान का वीडियो वायरल हुआ था उन्होंने शिकायत करने से मना कर दिया हम तो कार्रवाई करने को तैयार थे।

हर्षल चौधरी एसडीएम

जल गंगा संवर्धन अभियान में विधायक भी प्राचीन बावड़ी की सफाई करने पहुंचे

सिरोंज। सरकार के द्वारा प्राचीन जल स्रोतों खूब बन जीवित करने के लिए गंगा जल स ं व ध ं न अभियान प्रारंभ किया है इस अभियान के तहत नगर से लेकर ग्रामीण चुनाव में श्रमदान से सफाई की जा रही है वहीं सरकार की पहली धरातल पर उतरती है तो इसके परिणाम भी सार्थक होंगे प्राचीन जल सूत्रों में यदि पानी भरने लगेगा तो वाटर लेवल में वृद्धि होगी इसके परिणाम स्वरूप पानी की समस्या काफी कमी आएगी शुक्रवार को जल गंगा संवर्धन अभियान में श्रमदान करने के लिए विधायक उमाकांत शर्मा भी पहुंचे इन्होंने जनप्रतिनिधियों तथा द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड 17 स्थित चूनगिर की बावड़ी का जीर्णोद्धार एवं साफ़ सफाई के लिए के अभियान प्रारंभ किया स्वयं ने भी झाड़ियां को हटाया। इस नगरपालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, , रमेश यादव, सीएमओ रामप्रकाश साहू, पार्षदगण, अधिकारी/कर्मचारीगण आदि मौजूद थे।

भारत की सड़कों पर सुरक्षा को बनाना होगा सशक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। पैराकोट की सहायक कंपनी पैरासेफ, यात्रा के सभी साधनों में सुरक्षा को प्राथमिकता देकर मोबिलिटी को पुन: परिभाषित करने के लिए समर्पित है। सड़क सुरक्षा टूल्स में क्रांतिकारी बदलाव लाने और सड़क जागरूकता को एक स्टैंडर्ड प्रैक्टिस के रूप में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध, पैरासेफ ने जागरूकता बढ़ाने और सुरक्षा में सुधार के लिए कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करने के लिए व्यापक शोध किया है और श्वेत पत्र प्रकाशित किए हैं।भारत की सबसे ज़रूरी सार्वजनिक स्वास्थ्य और बुनियादी ढाँचे की चुनौतियों में से एक है- सड़क सुरक्षा। 2022 में, सड़क दुर्घटनाओं ने दुखद रूप से 1.68 लाख लोगों की जान ले ली। वाहन टेक्नोलॉजी और बुनियादी ढाँचे में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, मूल कारण अभी भी बने हुए हैं जो हैं- अज्ञानता (65 प्रतिशत) और कानूनों का कमज़ोर अमल (52 प्रतिशत)। पैरासेफ की रिपोर्ट इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालती है, जिसमें टियर 2 और टियर 3 शहरों में सड़क सुरक्षा जागरूकता और अभ्यास की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया है। पैरासेफ के सीईओ राजेश पोद्दार ने रिपोर्ट के निष्कर्षों पर कहा, ''सड़क सुरक्षा का मतलब सिर्फ़ नियमों का पालन करना नहीं है; यह जीवन बचाने के बारे में है। उद्योग जगत के अग्रणी के रूप में, सभी स्टेकहोल्डरों- सरकार, उद्योग और नागरिकों के बीच जवाबदेही को बढ़ावा देना हमारी ज़िम्मेदारी है। निष्कर्षों से पता चलता है कि सड़क सुरक्षा तैयारियों में अंतराल को पाटने की तत्काल आवश्यकता है। पैरासेफ में, हम मानते हैं कि प्राथमिक चिकित्सा किट और हार्नेस जैसे आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में जागरूकता और पहुँच दुर्घटनाओं को काफी हद तक कम कर सकती है। अब समय आ गया है कि हम भारत की सड़कों पर हर यात्रा को सुरक्षित और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए एकजुट हों।

इन्फिनिक्स ने पेश किया नोट 50एस 5जी.

मुंबई, एजेंसी। आधुनिक समय के स्मार्टफोन ब्रांड इन्फिनिक्स ने आज भारत में अपनी फ्लैगशिप डिवाइस - नोट 50एस 5जी. लॉन्च की यह एक पावरहाउस डिवाईस है जो डिज़ाइन, परफॉरमेंस और यूज़र एक्सपीरियंस के मामले में अपेक्षाओं को बढ़ा देगी। इस फ्लैगशिप डिवाइस ने अत्याधुनिक डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी और 144हर्ट्ज़ कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले के साथ भारत के सबसे स्लिम स्मार्टफ़ोन' के रूप में एक नया मानक स्थापित कर दिया है। नोट 50एस 5जी. आज से फ्लिपकार्ट पर तीन शानदार रंगों मरीन ड्रिफ्ट ब्लू (वीगन लेदर), टाइटेनियम ग्रे (मैटेलिक फ़िनिश), बरगुंडी रेड (मैटेलिक फ़िनिश) में 14,9 रुपये (सभी ऑफ़र सहित) के विशेष मूल्य में उपलब्ध है।इन्फिनिक्स इंडिया के सीईओ अनीश कपूर ने कहा इन्फिनिक्स में हम अपने हर लॉन्च के साथ यूज़र्स की बदलती जरूरतों को पूरा करने की ओर कदम बढ़ाते हैं। अपने पिछले स्मार्टफोन, नोट 50एक्स 5जी. में हमने यूज़र्स के फीडबैक के आधार पर सॉफ़्टवेयर को अपग्रेड किया और एक्सओएस 15 पेश किया। हमारे इस कदम को ग्राहकों ने काफी सराहा, जिससे निर्माण प्रक्रिया में यूज़र्स को शामिल करने का हमारा विश्वास मजबूत हुआ। नोट 50एस 5जी. में हमने प्रीमियम सीएमएफ, बेहतरीन परफॉरमेंस और सेगमेंट के सबसे स्लिम 144हर्ट्ज़ कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले के साथ हमने मानकों को और अधिक बढ़ा दिया है।इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट के साथ 5500एमएएच की बैटरी दी गई है। इसलिए यह पूरे दिन हर स्वाइप, स्ट्रीम और स्क्रॉल के साथ स्मूथ परफॉरमेंस प्रदान करता है। एआई-आधारित पर्सनलाइजेशन, एक्सओएस 15 और वन-टैप इन्फिनिक्स एआई से स्मार्ट और इंट्यूटिव अनुभव प्राप्त होता है, वहीं 64एमपी सोनी आईएमएक्स682 कैमरा एवं मिलिटरी-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी से बेहतरीन स्टाईल और फंक्शन प्राप्त होता है।भारत में डिजिटल-फर्स्ट जनरेशन के लिए निर्मित, नोट 50एस 5जी. में परफॉरमेंस, खूबसूरती और बेहतरीन मूल्य एक ही पैकेज में मिल रहा है। यह लॉन्च उपयोगी इनोवेशन प्रदान करने के हमारे सफर की एक बड़ी कामयाबी है।

सेल्विन ट्रेडर्स लिमिटेड ने भारतीय फूड एन्ड रिटेल सेक्टर में एक नया कदम उठाते हुए माजघर नाम से अपना पहला आउटलेट शुरू किया

अहमदाबाद एजेंसी। भारत के फूड एन्ड रिटेल लेन्डस्केप में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सेल्विन ट्रेडर्स लिमिटेड ने एसडीएफ के सहयोग से, अहमदाबाद के सोला रोड के पास सत्ताधर चार रास्ता के नजदीक मेमनगर में माजघर ब्रांड नाम से अपना पहला आउटलेट लॉन्च किया है। इतना ही नहीं, उनका दृष्टिकोण भी बहुत फ्युचरिस्टिक है। वे अगले 12 महीनों के भीतर भारत के शीर्ष शहरों में 12 माजघर आउटलेट ओपन करने की योजना बना रहे हैं। इसके लिए उन्होंने 15 करोड़ रुपये तक का स्ट्रेटेजिक ईन्वेस्टमेन्ट करने की योजना बनाई है और 23.5 करोड़ रुपये का रेवन्यु जनरेट करने का लक्ष्य रखा है। इसके पीछे उद्देश्य यह है कि लोग वर्तमान में अधिक गुणवत्ता की मांग कर रहे हैं, इसलिए वे प्रीमियम गुणवत्ता की आपूर्ति करने में सक्षम होने की दृष्टि से बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। इस आउटलेट में चावल, कठोल, फ्रीज-ड्राई व्यंजन, ग्लूटेन-फ्री प्रोडक्ट्स, मसाले, पापड़, चाय मसाला, मुखवास और जामुन शहद जैसी स्वादिष्ट प्रीमियम वस्तुओं का अनूठा संग्रह है। उनका प्रत्येक उत्पाद भारत के अनूठे स्वाद के साथ-साथ नई पीढ़ी के बदलते स्वाद को भी पूरा करता है। घरेलू विकास के साथ-साथ एसडीएफ और सेल्विन ट्रेडर्स लिमिटेड की नजर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों पर भी है। कंपनियां सक्रिय रूप से मध्य पूर्व, आफ्रीका, यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और रूस जैसे देशों में अपने निर्यात नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं। उनके वैश्विक पोर्टफोलियो में फ्रेश वेजिटेबल्स, प्रोसेस्ड फूड, अनाज, मेन्गो पल्प और सल्फर रहित गुड़ का चयन भी शामिल है, जो शुद्धता, पोषण और पारंपरिक भारतीय स्वाद पर अधिक केंद्रित है।

वित्तीय स्वतंत्रता, आपके अपने तरीके से - टाटा एआईए ने स्मार्ट सुरक्षा और विकास के लिए लॉन्च किया शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान

मुंबई, एजेंसी। जीवन सपनों से भरा है- घर खरीदना, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए पैसे जुटाना, शानदार छुट्टियों की योजना बनाना या चिंता मुक्त सेवानिवृत्ति का आनंद लेना। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय सुरक्षा काफी नहीं है, आपको चाहिए एक ऐसी योजना जो आपकी आवश्यकताओं के अनुसार बदलती रहे। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने टाटा एआईए शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान लॉन्च किया है। यह एक नया जीवन बीमा बचत समाधान है जो वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति बनाने के लिए एक लचीला दृष्टिकोण देता है। इस प्लान को आपके साथ विकसित होने के लिए डिज़ाइन किया गया - लचीलापन इसकी विशेषता है शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान एक नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग जीवन बीमा बचत योजना है। इसमें आपको अपनी अनूठी आकांक्षाओं के आधार पर अपनी वित्तीय योजना को अनुकूलित करने का अधिकार मिलता है। यह योजना आपको शुरूआत से ही लचीलापन देते हुए, तीन अनुकूलित विकल्प प्रदान करती है, यह हर विकल्प विशिष्ट वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है एंडोमेंट विकल्प - दीर्घकालिक बचत बनाने के लिए आदर्श है। इसमें आपको योजना के अंत में एकमुश्त भुगतान मिलता है।

20 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की नई पदस्थापना, मप्र कैडर के मनोज गोविल कैबिनेट सचिवालय में सचिव नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 20 वरिष्ठ आईएएसअधिकारियों की नई पदस्थापना की है। मप्र कैडर के मनोज गोविल कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) नियुक्त किए गए है। मध्य प्रदेश कैडर के ढ्ढस् अधिकारी आशीष श्रीवास्तव, विवेक अग्रवाल, हरिरंजन राव, पल्लवी जैन गोविल के विभागों में फेरबदल कर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। डीओपीटी द्वारा इस संबंध में आज जारी आदेश के अनुसार आज जारी आदेश में केंद्र सरकार में नवंबर 2025 तक लगभग सभी प्रमुख रिक्तियों को भर दिया गया है।

नवनियुक्त अधिकारियों की सूची इस प्रकार है: वर्तमान युवा मामले सचिव मीता राजीव लोचन को भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग में सचिव नियुक्त किया गया है। वे 31.05.2025 को सेवानिवृत्त होने पर ए.नीरजा का स्थान लेंगी।

के मोसेस चालई को वित्त मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उद्यम विभागके सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था । वर्तमान में, वे गृह मंत्रालय के तहत अंतर राज्य परिषद सचिवालय के सचिव हैं। वे अली रजा रिजवी की जगह लेंगे, जो 31 जुलाई 2024 को सेवानिवृत्त हुए। वर्तमान में, का अतिरिक्त प्रभार अरुणिश चावला के पास है।

मध्य प्रदेश कैडर में 1991 बैच के आईएएस अधिकारी व्यय सचिव मनोज गोविल को कैबिनेट सचिवालय में सबसे महत्वपूर्ण जवाबदारी दी गई है। उन्हें वंदना गुरनानी के स्थान पर कैबिनेट सचिवालय में सचिव (समन्वय) नियुक्त किया गया। वंदना गुरनानी को कैबिनेट सचिवालय से श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में केंद्रीय सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। वे सुमिता डावरा की जगह लेंगी, जो 31.03.2025 को सेवानिवृत्त हुईं। राजित पुन्हानी, वर्तमान में राज्य सभा सचिवालय के सचिव, को कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया। उन्हें अतुल कुमार तिवारी के स्थान पर नियुक्त किया गया हैं, जो 30 जून, 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। आशीष श्रीवास्तव को गृह मंत्रालय के अंतरराज्यीय परिषद सचिवालय में सचिव नियुक्त किया गया है । वे के मोसेस चालई की जगह लेंगे। वर्तमान में श्रीवास्तव अंतरराज्यीय परिषद सचिवालय में सलाहकार के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान नागरिक उड्डयन सचिव वुमलुनमंग वुलनाम को वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वे मनोज गोविल का स्थान लेंगे। निकुंज बिहारी धल जो वर्तमान में इसी कैडर में हैं, को संसदीय कार्य मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया है । वे 30 जून 2025 को अपनी सेवानिवृत्ति पर उमंग नरूला का स्थान लेंगे।

राकेश कुमार वर्माको भारत के चुनाव आयोग में महानिदेशक (प्रशिक्षण) के पद को अस्थायी रूप से उन्नत और पुन: नामित करके भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन पर भारत अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। वर्तमान में, वह जल शक्ति मंत्रालय के तहत जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। अनुराधा ठाकुर को भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन पर वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में अगले केंद्रीय सचिव के रूप में चुना गया है । वे ष्ठश्व में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालेंगी। वे 30 जून 2025 को सेवानिवृत्त होने पर अजय सेठ से कार्यभार संभालेंगी। वर्तमान में, वे कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हैं।

राजेश अग्रवाल को वाणिज्य विभाग का अगला केंद्रीय सचिव चुना गया । उन्हें वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया (इन-सीटू), जहां वे अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। वे 30 सितंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होने पर निवर्तमान वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल का स्थान लेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव अरविंद श्रीवास्तव को वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में सचिव नियुक्त किया गया है। वे संजय मल्होत्रा का स्थान लेंगे, जो वर्तमान में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर हैं। मध्य प्रदेश कैडर में 1994 बैच के अधिकारी विवेक अग्रवाल को संस्कृति मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया। वे गोविंद मोहन का स्थान लेंगे, जिन्होंने 23 अगस्त 2024 को केंद्रीय गृह सचिव का पदभार संभालने के बाद पद खाली कर दिया था। वर्तमान में, अरुणिश चावला संस्कृति सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं। वर्तमान में, विवेक अग्रवाल राजस्व विभाग में अतिरिक्त सचिव हैं। संतोष कुमार सारंगी को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। यह पद प्रशांत कुमार सिंह के मुख्य सचिव के पद पर कैडर में स्थानांतरित होने के बाद खाली हुआ था। वर्तमान में, सारंगी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (ष्ठत्रस्नञ्ज) के महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। मध्य प्रदेश कैडर की 1994 बैच की एक और अधिकारी पल्लवी जैन गोविल को मीता आर लोचन की जगह युवा मामले विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। वह 01 जून, 2025 को मीता आर लोचन का स्थान लेंगी। वर्तमान में, वह पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हाइड्रोकार्बन की महानिदेशक हैं। नीति आयोग में अतिरिक्त सचिव निधि छिब्बर को भारत सरकार में सचिव के पद और वेतन में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में विशेष कार्य अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है । वे 31.05.2025 को सेवानिवृत्त होने पर सुब्रत गुप्ता से कार्यभार संभालेंगी। समीर कुमार सिन्हा को नागरिक उड्डयन मंत्रालय में सचिव नियुक्त किया गया । वर्तमान में वे रक्षा विभाग में अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक (अधिग्रहण) हैं। मध्य प्रदेश कैडर के 1994 बैच के एक और अधिकारी हरि रंजन राव को युवा मामले और खेल मंत्रालय के खेल विभाग में ह्रस्ष्ठ के पद पर नियुक्त किया गया है । उन्हें भारत सरकार में सचिव के पद का वेतन और भत्ते प्राप्त होंगे। वर्तमान में, वे प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव हैं। वे 30.06.2025 को सेवानिवृत्त होने पर सुजाता चतुर्वेदी (ढ्ढस् 1989) का स्थान लेंगी। इसके अलावा 1994 बैच के दो अधिकारियों को उनके द्वारा धारित पदों को अस्थायी रूप से उन्नत करके भारत सरकार के सचिव के पद और वेतन में विशेष सचिव के स्तर पर उन्नयन को मंजूरी दी है, ये अधिकारी हैं राजेश कुमार सिन्हा अतिरिक्त सचिव, पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय। रंजना चोपड़ा अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय है। वर्तमान में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में अनुबंध के आधार पर महासचिव के रूप में कार्यरत भरत लाल (सेवानिवृत्त का कार्यकाल 30.06.2025 से आगे एक वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया था।

इंदौर संभाग के एक वर्तमान तथा एक पूर्व कलेक्टर को मिलेगा प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार

इंदौर। इंदौर संभाग सहित पूरे मध्यप्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। इंदौर संभाग के बड़वानी जिले के पूर्व कलेक्टर डॉ. फटिंग राहुल हरिदास और झाबुआ जिले की वर्तमान कलेक्टर नेहा मीना को प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल 2025 को दिल्ली में 17वें सिविल सेवा दिवस के अवसर पर यह पुरस्कार प्रदान करेंगे।

कलेक्टर डॉ. फटिंग राहुल हरिदास को समग्र विकास श्रेणी और कलेक्टर नेहा मीना को इंस्पिरेशनल ब्लॉक्स प्रोग्रामकैटेगरी में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। यह पुरस्कार उन सिविल सेवकों को दिया जाता है, जिन्होंने लोक प्रशासन में अभिनव और अनुकरणीय कार्य किए हैं। विजेताओं को ट्रॉफी, स्क्रॉल और 20 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिसका उपयोग जनकल्याणकारी परियोजनाओं में किया जाएगा। इंदौर संभागायुक्त दीपक सिंह ने दोनों अधिकारियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा है कि यह उपलब्धि न केवल बड़वानी और झाबुआ जिलों के लिए है , बल्कि इंदौर संभाग और सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की है।

भोपाल में आइशर प्रो एक्स छोटे ट्रकों के लिए नया डीलरशिप शुरू किया

भोपाल। वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड (वीईसीवी) की एक व्यावसायिक इकाई आइशर ट्रक्स एंड बस ने अपने नए लॉन्च किए गए आइशर प्रो एक्स छोटे ट्रकों के लिए एक एक्सक्लूसिव डीलरशिप का उद्घाटन किया। भोपाल में स्थित सक्सेस ऑटो कमर्शियल की यह नई 3एस डीलरशिप ग्राहकों को सर्वोत्तम अनुभव देने के लिए डिज़ाइन की गई है, जो वाहन खरीदने और सेवा प्रक्रिया के हर पहलू को बेहतर बनाने के लिए तकनीक का उपयोग करती है। इंटरएक्टिव डिजिटल डिस्प्ले से सुसज्जित यह डीलरशिप ग्राहकों को आइशर प्रो एक्स रेंज की गहन जानकारी प्रदान करती है, जिससे वे सही वाहन चयन कर सकें और आइशर की नवाचार और दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता का अनुभव प्राप्त करें। रमेश राजगोपालन, कार्यकारी उपाध्यक्ष, ग्राहक सेवा, रिटेल उत्कृष्टता और नेटवर्क विकास, वीईसीवी ने कहा मध्य प्रदेश आइशर का घर है, और हमें भोपाल में नए लॉन्च किए गए आइशर प्रो एक्स रेंज के लिए यह एक्सक्लूसिव डीलरशिप शुरू करते हुए गर्व हो रहा है। यह नई डीलरशिप हमारी इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है कि हम स्मार्ट, सस्टेनेबल और कस्टमर-फर्स्ट सोल्युशंस के माध्यम से अंतिम मील लॉजिस्टिक्स के भविष्य को आकार देना चाहते हैं।

नहीं थम रहें सोने के दाम, आज भी तेजी, चांदी की चमक पड़ी फीकी

मुंबई, एजेंसी। प्रैल के महीने में सोने और चांदी की कीमतों में हर दिन कुछ न कुछ बदलाव देखने को मिल रहा है। अगर आप भी आज बाजार जाकर सोना या चांदी खरीदने का मन बना रहे हैं, तो उससे पहले एक बार आज के ताज़ा भाव जरूर जान लें, क्योंकि कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। आज शनिवार, 19 अप्रैल 2025 को सोने की कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। सर्राफा बाजार से मिली जानकारी के मुताबिक, आज 24 कैरेट सोने के दाम में 270 रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी देखी गई, जिससे इसका भाव 97,730 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 89,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहा है। अगर आप हल्के गहनों या आभूषणों में निवेश करना चाहते हैं, तो 18 कैरेट सोना आज 73,310 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर उपलब्ध है। जहां एक ओर सोने की कीमतें बढ़ी हैं, वहीं चांदी में थोड़ी गिरावट देखी गई है। आज चांदी के भाव में 100 रुपए प्रति किलो की गिरावट आई है, जिससे इसका नया रेट 99,900 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया है। यह अब भी एक लाख रुपए प्रति किलो से नीचे बना हुआ है। आइए अब जानते हैं कि विभिन्न शहरों में आज के सोने के 18, 22 और 24 कैरेट के लेटेस्ट रेट क्या हैं।

18 कैरेट सोने के ताजा भाव: दिल्ली रुपए 73,120 प्रति 10 ग्राम, कोलकाता और मुंबई रुपए 72,990 प्रति 10 ग्राम, भोपाल और इंदौर रुपए 73,480 प्रति 10 ग्राम, चेन्नई 73,910 प्रति 10 ग्राम।

22 कैरेट सोने के ताजा भाव: चेन्नई रुपए 89,210 प्रति 10 ग्राम, भोपाल और इंदौर रुपए 89,160 प्रति 10 ग्राम, दिल्ली, जयपुर, लखनऊ रुपए 89,360 प्रति 10 ग्राम, हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई रुपए 89,210 प्रति 10 ग्राम।

24 कैरेट सोने के ताजा भाव: भोपाल और इंदौर रुपए 97,100 प्रति 10 ग्राम। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़ रुपए 97,320 प्रति 10 ग्राम, हैदराबाद, केरल, बेंगलुरु, मुंबई रुपए 97,170 प्रति 10 ग्राम, चेन्नई रुपए 97,320 प्रति 10 ग्राम।

चांदी की ताजा कीमतें: जयपुर, कोलकाता, अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई, दिल्ली रुपए 99,900 प्रति किलो, चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद, केरल रुपए1,09,900 प्रति किलो, भोपाल, इंदौर रुपए 99,900 प्रति किलो।

मप्र में बन रहा पहला आधुनिक लॉजिस्टिक पार्क रेलवे और एयरपोर्ट से मिलेगा सीधा जुड़ाव

भोपाल। मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क पीथमपुर में एक ऐसा आधुनिक केंद्र बनने जा रहा है, जो देशभर के उद्योगों के लिए एक नई दिशा तय करेगा। यह पार्क रेलवे और एयरपोर्ट दोनों से जुड़ा होगा, जिससे माल परिवहन और निर्यात की प्रक्रिया और अधिक आसान और तेज़ हो जाएगी। इस लॉजिस्टिक पार्क की सबसे बड़ी खासियत इसका मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी है। माल को रेलमार्ग से सीधे पार्क तक लाया जा सकेगा और कस्टम की सभी औपचारिकताएं यहीं पूरी कर दी जाएंगी। इसके लिए एक सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जिससे कंटेनर सीधे हवाई अड्डे या बंदरगाह तक भेजे जा सकेंगे। इससे व्यवसायियों को निर्यात प्रक्रिया में बड़ा लाभ मिलेगा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस परियोजना को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। वे दो बार इंदौर दौरे के दौरान इस प्रोजेक्ट की समीक्षा कर चुके हैं। हाल ही में उन्होंने सागौर से लॉजिस्टिक पार्क तक नई रेलवे लाइन का उद्घाटन किया है, जिससे इस प्रोजेक्ट को और गति मिली है। उन्होंने एनएचएआई अधिकारियों को निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल के अनुसार, यह पार्क कुल 250 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा है और इसकी लागत 1100 करोड़ रुपये आंकी गई है। पार्क का निर्माण तीन चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में वेयरहाउस, ऑफिस स्पेस, कोल्ड स्टोरेज और एक 5 स्टार होटल का निर्माण किया जाएगा। दूसरे और तीसरे चरण में पार्क का विस्तार होगा और अतिरिक्त सुविधाएं विकसित की जाएंगी। यह लॉजिस्टिक पार्क न केवल इंदौर बल्कि पूरे मालवांचल क्षेत्र के लिए लाभकारी साबित होगा। यहां तैयार माल का निर्यात तेजी से किया जा सकेगा, जिससे उद्योगों को समय और लागत दोनों में बचत होगी। इस आधुनिक पार्क के निर्माण से पीथमपुर एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक हब के रूप में उभरने की ओर अग्रसर है।

टीवीएस मोटर कंपनी ने किया अपग्रेडेड टीवीएस अपाचे आरआर 310 का अनावरण

बैंगलुरू, एजेंसी। दुनिया में दोपहिया एवं तिपहिया वाहनों की अग्रणी निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी (टीवीएसएम) ने सुपर प्रीमियम स्पोर्ट्स मोटरसाकल कैटेगरी में अपनी मुख्य पेशकश- अपडेटेड टीवीएस अपाचे आरआर310 का अनावरण किया है। 2025 एडीशन ओबीडी-2बी नियमों के लिए कम्प्लायन्ट है। टीवीएस अपाचे सीरीज़ की 20वीं सालगिरह और दुनिया भर में 6 मिलियन उपभोक्ताओं का आंकड़ा पार करने की उपलब्धि का जश्न मनाते हुए कंपनी यह नया एडीशन लेकर आई है। टीवीएस अपाचे आरआर 310 एक मास्टरपीस है जो पिछले चार दशकों से टीवीएस रेसिंग में अपना प्रभुत्व बनाए हुए है।

ताज लेकफ्रंट भोपाल के हाउस ऑफ मिंग में पेश हुआ व्यंजनों का नया एक्साइटिंग मेन्यू

भोपाल। ताज लेकफ्रंट भोपाल के प्रतिष्ठित पैन-एशियन रेस्टोरेंट हाउस ऑफ मिंग ने 18 अप्रैल 2025 से अपना नया मेन्यू लॉन्च कर दिया है। अपने गौरवशाली पाक इतिहास और शानदार माहौल के लिए जाने वाले हाउस ऑफ मिंग अब सिचुआन, कैंटोनीज़ और हुनान व्यंजनों के ऑथेंटिक और बोल्ड फ्लेवर्स को मध्यप्रदेश के दिल में नए अंदाज़ में पेश कर रहे हैं हैं हाउस ऑफ मिंग उन गिने-चुने सिग्नेचर रेस्टोरेंट्स में से है, है, जिसमें चीन के इन तीन बेहतरीन फूड स्टाइल्स स्वाद आप एक ही जगह पर ले सकते हैं। जैसे-जैसे भोपाल एक शानदार फूड डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है, ताज लेकफ्रंट अपने इस अनोखे मेन्यू के ज़रिए शहर के ग्लोबल फ्लेवर्स की तरफ बढ़ते कदमों का खूबसूरती से स्वागत कर रहा है, जहाँ नए फ्लेवर्स के साथ साथ क्लासिक्स टेस्ट भी बरकरार हैं। खास ध्यान और दिल से तैयार किया गया यह नया मेन्यू कुछ खास व्यंजनों को पेश करता है जैसे—स्टफ्ड मशरूम पेपर सेलेरी, मापो टोफू, सिचुआन एगप्लांट और ग्लूटिनस राइस। डिनर को और भी यादगार बनाते हैं इन-हाउस सिग्नेचर डिमसम्स जैसे प्रॉन ट्रफल सिउ माई और पैन-फ्रायड चिकन कोथे। वहीं मेन कोर्स में क्रिस्टल चिकन जैसे ऑप्शन बहुत बारीकी से तैयार किए गए हैं। सीफूड प्रेमियों के लिए स्कैलप्स, क्रैब्स, प्रॉन्स और लॉबस्टर का भी ज़बरदस्त सलेक्शन है। वहीं मीठे के शौकीनों के लिए एलीमेंट्स और वाइल्ड राइस पुडिंग जैसी डिज़र्ट्स एक्सपीरियंस अनुभव को ख़ास बनाता है। हर डिश भोपाल के फूड लवर्स की पसंद को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। इस लॉन्च के चलते हाउस ऑफ मिंग कुछ खास डाइनिंग एक्सपीरियंस भी पेश किया जा रहा है —जिसमें थीम्ड डेकोर, लाइव कुकिंग स्टेशन और अम्यूज़-बूश टेस्टिंग शामिल हैं, जो इस मौके को और भी यादगार बनाएँगे। क्लस्टर जनरल मैनेजर - ऑपरेशंस और ताज लेकफ्रंट भोपाल के जनरल मैनेजर, विशाल शर्मा ने कहा, झीलों की इस नगरी में, ताज ब्रांड के सिग्नेचर रेस्टोरेंट हाउस ऑफ मिंग के ज़रिए हम शहरवासियों को पैन-एशियन व्यंजनों के ज़ायकों से एक अंतरराष्ट्रीय सफ़र पर ले जाना चाहते हैं। एग्ज़ीक्यूटिव शेफ अनुप गुप्ता ने बताया हमने इस खास मेन्यू को ग्लोबल ट्रेंड्स को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है—एक ऐसा तालमेल जो ऑथेंटिसिटी और इनोवेशन दोनों को साथ लेकर चलता है। एफ एंड बी मैनेजर, बीरेन्द्र बिष्ट ने भी कहा हम सबको आमंत्रित करते हैं कि वे ताज लेकफ्रंट भोपाल के अपने पसंदीदा डाइनिंग डेस्टिनेशन—हाउस ऑफ मिंग—में नए मेनू का जायका लें।

राज्य मंत्री लखन पटेल ने मेला आयोजकों से चर्चा कर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दमोह। प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल आज शाम मगरोंन पँहुचे। उन्होंनें यंहा कलेही माता मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र एवं प्रदेश की खुशहाली तथा समृद्धि की कामना की। इस दौरान राज्यमंत्री श्री पटेल ने मेला आयोजको से चर्चा की। साथ ही तहसीलदार और मगरोन थाना प्रभारी को व्यवस्थाएं दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मन्दिर प्रांगण में भक्तजनों से सामयिक चर्चा भी की।

विधायक लखन घनघोरिया के भाई के जन्मदिन में जमकर हुई हर्ष फायरिंग प्रकरण दर्ज, लाइसेंस होगा रद्द

जबलपुर। मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया के छोटे भाई यश घनघोरिया के जन्मदिन समारोह में हर्ष फायरिंग का वीडियो सामने आया है। घटना जबलपुर की है, जिसका वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया में वायरल हुआ। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कर दी।

लाइसेंसी पिस्टल से मंच पर चलाई गई गोलियां: 17 अप्रैल को आयोजित इस जन्मदिन समारोह में अस्सू खान नामक युवक ने मंच पर चढ़कर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से 6-7 बार हवाई फायरिंग की। इसके वीडियो भी बनाए गए और बाद में वायरल भी कर दिए गए।

वीडियो वायरल होते ही हरकत में आई पुलिस: कोतवाली थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार ने बताया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी अस्सू खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी पर शस्त्र लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है।

माचागोरा बांध के मुख्य द्वार खोलकर पेंच नदी में आज छोड़ा जायेगा पानी

छिन्दवाडा। पेंच व्यपवर्तन बांध जल संसाधन संभाग क्रमांक-1 चौरई के कार्यपालन यंत्री श्री एस.के.सिरसाम ने बताया कि छिंदवा?ा/पांढुर्णा सांसद श्री विवेक बंटी साहू द्वारा पेंच व्यपवर्तन परियोजना के अंतर्गत पेंच बांध (माचागोरा बांध) से नगर पंचायत चौरई, चांद एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनता एवं मवेशियों को पेयजल एवं निस्तारण के लिये पानी की आवश्यकता को पूरा करने के लिये पत्र प्रेषित किया गया है। इस तारतम्य में 19 अप्रैल 2025 को प्रात: 11:30 बजे बांध के मुख्य द्वार (रेडियल गेट) को खोलकर लगभग 17 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जायेगा, जिससे पेंच नदी में पानी के बहाव एवं जल स्तर में ब?ोत्तरी होगी। उन्होंने बांध के निचले क्षेत्र के ग्रामवासियों से अपील की है कि पेंच नदी के जल के बहाव के रहते तक वे नदी तट पर नहीं जायें और निचले क्षेत्र में मवेशी, मोटर पंप और अन्य उपयोगी वस्तु नहीं रखें व सतर्क रहें, ताकि किसी प्रकार की जान-माल की क्षति नहीं होने पाये।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इको क्लब के विद्यार्थी कर रहे सहभागिता

छिन्दवाडा। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चांद में जल संवर्धन के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्राचार्य श्री अनिल ताग? के नेतृत्व में इको क्लब के विद्यार्थी सहभागिता कर रहे हैं। कार्यक्रम प्रभारी श्री राकेश कुमार मालवीय ने बताया कि जल संरक्षण के लिये हर संभव उपाय जैसे जल स्त्रोतों की स्वच्छता, परिसर की सफाई, पौधारोपण एवं जल के महत्व से इको क्लब को अवगत कराया जा रहा है, ताकि वह जल के संरक्षण के लिये अपने घर, प?ोस व ग्राम में योगदान दे सकें।

भाजपा नगर युवामोर्चा ने दहन किया सोनिया एवं राहुल गांधी का पुतला

छिन्दवाड़ा। प्रदेश भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेतृत्व एवं सांसद विवेक बंटी साहू के निर्देशानुसार कांग्रेस लीडर सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी का पुतला भाजपा नगर युवा मोर्चा द्वारा दहन किया गया। नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष बिट्टू मंडराह, अनुज मल्होत्रा व रवि मालवी ने बताया कि कांग्रेस सरकार द्वारा अपने शासनकाल में किये गये नेशनल हेराल्ड घोटाले मामले मे कांग्रेस के द्वारा लगातार देश की जनता को गुमराह व भ्रान्तियाँ फैलाने का काम कर रही है। ईडी का दावा है कि एजेएल की 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति को वाईआईएल के जरिए कब्जे में लिया गया है। एजेंसी ने कहा है कि इसमें 988 करोड़ रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग भी की गई है। जांच में यह बात सामने निकलकर आई है कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के पास दिल्ली, मुंबई और लखनऊ सहित भारत के कई शहरों में 661.69 करोड़ की अचल संपत्तियां हैं और इन्हें आपराधिक आय के जरिए हासिल किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, जागेंद्र अल्डक, अरविंद राजपूत, नगर मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला, नवीन बारस्कर, पंकज पाटनी, पप्पू ठाकुर, रोहित माहोरे, नीरज भारद्वाज, लकी पाल, अंकित सोलंकी, अंकित तिवारी आदि मौजूद रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान: एमएसडब्ल्यू व बीएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों द्वारा विकासखंड में विभिन्न ग्रामों के जल स्त्रोतों की जा रही साफ-सफाई

ग्राम मेघासिवनी में हैडपंप के पास सफाई कर ग्रामीणों को जल संरक्षण की दिलाई शपथ

छिन्दवाडा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन के मार्गदर्शन में परामर्शदाता श्री विनोद तिवारी, श्रीमती तृप्ती सिंह, श्रीमती लता नागले, श्री जयप्रकाश सूर्यवंशी व श्री आशीष साहू के सहयोग से विकासखण्ड छिंदवाडा के ग्रामों में जल स्त्रोतों के समीप मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के श्रमदान सहयोग से जल स्त्रोतों की साफ-सफाई की जा रही है। इसके अंतर्गत विकासखंड छिंदवाड़ा के ग्राम मेघासिवनी में हैडपंप के आस-पास सफाई कर सोखता गड्ढा का निर्माण किया गया। ग्रामीणजनों को जल संरक्षण के लिये जागरूक कर जल संरक्षण के लिये शपथ दिलाकर जल के महत्व को समझाया गया। इस दौरान मुख्य रूप से एमएसडब्ल्यू व बीएसडब्ल्यू के छात्र राजाराम धुर्वे, पवित्रा, कृतिका, शीतल, दीपक कराड़े, प्रदीप विस्केले, किरण बट्टी, मीना सूर्यवंशी, अनामिका, किरण, रितीका बंदेवार के द्वारा श्रमदान किया गया।

चाइल्ड लाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर तत्काल रुकवाया गया बाल विवाह

छिन्दवाडा। जिले के विकासखंड हर्रई के थाना क्षेत्र बटकाखापा के ग्राम चिखलपुरा में चाइल्ड लाईन के माध्यम से बाल विवाह की शिकायत प्राप्त हुई। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुये जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास छिंदवा?ा डॉ.हेमंत छेकर के मार्गदर्शन में परियोजना अधिकारी हर्रई श्री रत्नेश कुमार वैद्य, पर्यवेक्षक श्रीमती राजकुमारी मरकाम, पर्यवेक्षक श्रीमती गुंजा उईके, आंगनवा?ी कार्यकर्ता एवं थाना प्रभारी बटकाखापा श्री चरणलाल उईके द्वारा स्थल पर जाकर जांच की गई एवं समझाईश दी गई। जांच के दौरान बालिका की उम्र 17 वर्ष 03 माह एवं बालक की उम्र 18 वर्ष से कम पाई गई। परियोजना अधिकारी हर्रई श्री वैद्य द्वारा बालक-बालिका के माता-पिता, परिवार के सदस्यों, ग्रामवासियों को बाल विवाह न कराये जाने की समझाईश देते हुये माता-पिता से सहमति ली गई कि बालक-बालिका की उम्र पूर्ण होने के बाद ही विवाह करेंगे। उन्होंने बाल विवाह के अंतर्गत कानूनी प्रावधान के तहत 01 लाख रूपये का जुर्माना व 02 साल की सजा के बारे में उपस्थित जनों को सूचित भी किया। यह बाल विवाह, आज महिला एवं बाल विकास व पुलिस विभाग के सहयोग से स्थल पर रूकवाया गया।

शहर में भीषण जल संकट अभी तो गर्मी की शुरुआत पानी को लेकर भाजपा परिषद उदासीन है

परासिया। विधानसभा क्षेत्र परासिया नगरपालिका नेताप्रतिपक्ष शहर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा भाजपा परिषद की नाकामी लापरवाही के कारण शहर में अभी से भीषण जल संकट आ गया है जबकि अभी तो गर्मी की शुरुआत है और 2माह काटना बाकी है उन्होंने कहा कि अभी से शहर में नल 7 दिनों में आने लगे हैं पानी को लेकर भाजपा परिषद उदासीनता है एवं इस और कोई कार्य योजना नहीं बनाई है नगर पालिका की सबसे बड़ी बात यह है जो करोड़ों रुपए की लागत से बना पेंच नदी बना एनीकेट बांध तकनीकी खामियों के कारण पूरा पानी बीच में बह गया है लगातार शिकायत के भाजपा सभापति पाषर्द और नेताप्रतिपक्ष बाद भी भाजपा की नगर पालिका ने 3 करोड़ का भुगतान कर दिया जिसके कारण नगर पालिका व जनता को हानि हुई है वही नगरपालिका अध्यक्ष पर शिकायत के बाद 22 लाख रुपए की व्यक्तिगत लाभ के लिए नगरपालिका को नुक्सान पहुंचाया गया है जिसके लिए कलेक्टर महोदय द्वारा जांच समिति बनाई है अब पेंच नदी बांध में एक बूंद पानी नहीं है जिसका खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है वैसे भी शहर की 50 हजार की जनता को लगभग 2 सालो ऊपर हो गई खदान का गंदा बदबूदार दूषित पानी पी रहे हैं जिससे लोगों के स्वास्थ्य में बड़ा असर पड़ रहा है फिर भी नल टैक्स भी 40 से 100 भाजपा की परिषद बढ़ा दिया वहीं साफ स्वच्छ पानी और रोज पानी के लिए टैक्स लिया मगर ऐसा नहीं है अब शहर परिवार के ऊपर भाजपा परिषद की उदासीनता लापरवाही के कारण पानी पानी को तरसने मजबूर होगी जनता शहर में वैसे भी जगह जगह पाईप लाईन

लीकेज है जिससे पीने का पानी सडको पर बह रहा है लेकिन भाजपा परिषद ने आगामी दिनों के भीषण जल संकट को लेकर कोई कार्य योजना नहीं बनाई है जबकि स्थिति दिनों दिन खराब हो रही है बगैर सूचना दिए वहीं समय को भी एक घंटे से घटाकर आधा घंटा कर दिया गया है नगरपालिका नेताप्रतिपक्ष शहर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा कि अगर स्थित में सुधार नहीं होगा तो जनता के साथ समस्त कांग्रेसी पार्षद पुनम कैथवास पार्षद प्रतिभा सोनी पार्षद सावित्री वर्मा पार्षद रुक्मा बसोड पार्षद नीलोफर खान पार्षद ब्रजेश भालवी पार्षद पूजा मरकाम पार्षद प्रतिमा बैस विधायक प्रतिनिधि आशीष सिकन्दपुरे शहर कांग्रेस समन्यवक यमुना दुबे कार्यकारी अध्यक्ष अशोक शर्मा मोहम्मद सकील टीकाराम साहू असद खान सुधीर यादव नाजीम जागीरदार अशोक डेहरिया रुबल भमरा कार्यकर्ता के इस्ताक खान राज धुर्वे मनीष धुर्वे मोटी खान चेतन उइके इब्राहिम खान सफीक सिद्दकी धनश्याम साहू अनवर खान अनुपम धुर्वे अमजद खान राजा मालवीय महमूद खान पूनाराम डेहरिया रहमान खान पप्पू मरकाम बिट्टल मकौडे आतिश चौरसिया आशू जायसवाल तनवीर ख़ान महेश झरबड़े नंदू निलमकर पप्पू मालवीय कपिल यादव जितू साहू अम्बर चौरसिया अनुराग दीक्षित सुरेन्द्र जग्गी मोहम्मद खान शंकरलाल साहू विक्की मदरे नारायण जौहरे गौरव सत्वई एजाज खान बबलू टेलर नफीस खान हिवसे धमेंद्र जैन शर्मा राजा श्रीवास्तव गुलाब चौहान बिरजू सेन साथ शहर कांग्रेस कायकाताओ आमजन उग्र आंदोलन किया जाएगा

जुन्नारदेव विशाला एवं शिवनगरी के मंदिर परिसर में दीवार लेखन के माध्यम से आम नागरिकों को दिया जा रहा जल संरक्षण का संदेश

बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू छात्र-छात्राओं ने ग्रामीणों से की पानी बचाने की अपील

छिन्दवाडा। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर जिला कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं जुन्नारदेव विकासखंड समन्वयक श्री संजय बामने के कुशल मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं द्वारा जल की एक-एक बूंद को सहेजने, आम जनों को जल के महत्व को समझाने के लिये सामूहिक रूप से अपने-अपने प्रायोगिक ग्राम में म.प्र.जन अभियान परिषद जुन्नारदेव द्वारा दीवार लेखन का कार्य किया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान म.प्र.जन अभियान परिषद जुन्नारदेव के कार्यकर्ता व्दारा गांव-गांव में दीवार लेखन कर आम जनों में जल संरक्षण करने के लिये अलख जगाई जा रही है।

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम कार्यक्रम के बीएसडब्ल्यू व एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं के द्वारा सेक्टर क्रमांक-02 विकासखंड जुन्नारदेव की ग्राम पंचायत जुन्नारदेव विशाला एवं जुन्नारदेव दवामी, शिव नगरी मंदिर परिसर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल है तो कल है, जल ही जीवन है, हम सबने ठाना है, पानी को बचाना है सहित विभिन्न प्रकार के नारों का दीवार लेखन के माध्यम से ग्रामीणों जनों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा हैं।

ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि जल गंगा संवर्धन अभियान में सभी लोग जुड़कर जल को सहेजने का कार्य करें। कार्यक्रम में परामर्शदाता श्री सरजू विश्वकर्मा, एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं राकेश यादव, किरण कुमरे, दीपा मेश्राम, विनीता पन्द्राम, संजना पराने, उषा झरबडे, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सदस्य आदि ने सहभागिता की।

नरवाई में आग लगाने, अग्नि घटनाओं की रोकथाम, बचाव के लिये कार्य योजना तैयार किए जाने के संबंध में बैठक हुई संपन्न

छिन्दवाडा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार अग्नि घटनाओं की रोकथाम, बचाव के लिये कार्य योजना तैयार किए जाने के संबंध में आज कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व चौरई के सभाकक्ष में एसडीएम चौरई प्रभात मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में एसडीएम चौरई प्रभात मिश्रा द्वारा राजस्व, पुलिस, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन एवं कृषि विभागों के मैदानी अधिकारियों को नरवाई जलाने से रोकने की रणनीति पर चर्चा कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये। उन्होंने निर्देशित किया कि क्षेत्र में नरवाई में आग न लगाने के लिये किसानों को प्रेरित करें। साथ ही उन्हें बताएं कि नरवाई को बिना जलाए सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर जैसे यंत्रों का प्रयोग करते हुए नरवाई बिना जलाए सीधे बुवाई करके इसे जमीन में मिलाकर अच्छी खाद बनाई जा सकती है, जो भूमि के लिए अधिक उपयोगी है। सभी अधिकारियों को किसानों के बीच में पहुंचकर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

व्यापक प्रचार-प्रसार के बाद भी यदि किसी किसान/व्यक्ति के द्वारा आग जलाना/नरवाई जलाना पाया जाता है, तो नियमानुसार पंचनामा तैयार कर पुलिस विभाग के द्वारा एफ.आई.आर. दर्ज की जायेगी एवं नियमानुसार जुर्माना (अर्थदण्ड) आरोपित किया जायेगा। साथ ही कृषि विभाग का मैदानी अमला कृषि अभियांत्रिकी के पोर्टल पर हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं, इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिये भी निर्देशित किया गया एवं नगरीय निकाय को निर्देशित किया गया है कि आग लगने की स्थिति में फायरमैन का दल सदैव तत्पर रहे व अग्नि दुर्घटनाओं की स्थिति में फायर ब्रिगेड मौके पर अतिशीघ्र पहुंचकर आग बुझाने की कार्यवाही करे। साथ ही सभी विभागों के मैदानी अमले को प्रतिदिन ग्रामों में निरीक्षण/भ्रमण करने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों के साथ आग से बचाव के अन्य उपायों के संबंध में भी कार्ययोजना तैयार की।

बैठक में अनुभाग स्तर पर तहसीलदार चौरई श्रीमती प्रीति पटेल, नायब तहसीलदार चांद श्री मलय बाजपेयी, अनुविभागीय अधिकारी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी चौरई सुश्री सीता मरकाम, कृषि विभाग से वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी चौरई श्री उमेश पाटिल एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बिछुआ श्री अरविन्द जावरे, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी चौरई श्री रवि मुकासी, नगरीय प्रशासन विभाग से मुख्य नगरपालिका अधिकारी चौरई अभयराज सिंह, मुख्य नगरपालिका अधिकारी चांद आर.एस.चौधरी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी बिछुआ आशीष मेरावी, पुलिस विभाग से थाना प्रभारी चौरई गनपत उइके, वन विभाग से परिक्षेत्र अधिकारी कुंभपानी मारतंड सिंग मेरावी एवं वनपाल परिक्षेत्र सहायक आमाकुही (बिछुआ क्षेत्र) श्री सुनील बनवारी, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. अशोक सेन, पशु चिकित्सा विभाग से आर.एस. सिंग, लोक निर्माण विभाग से इंदौरकर, विद्युत विभाग से बी.के.उमरे सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

जनता के दुखों को पार लगाना ही सरकार का लक्ष्य: बंटी विवेक साहू

भगवान निषाद राज जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद

छिंदवाड़ा। जिस तरह भगवान श्री राम चंद्र जी को भगवान निषादराज ने गंगा मैया पार लगाया, उसी प्रसंग से प्रेरित होकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार जनता को दुखो से पार लगाने का निरंतर प्रयास कर रही है। यह बात लोकप्रिय सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने भगवान निषाद राज जी की जयंती के अवसर पर दमुआ में आयोजित कार्यक्रम में कही।

मांझी, निषाद, केवट, कहार भवन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री बंटी विवेक साहू ने भगवान श्री राम चंद्र जी को गंगा पार कराने वाले भगवान केवट को प्रणाम करते हुए उपस्थित जनों को जयंती उत्सव की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मेरा कहार समाज से चार पीढ़ियों का संबंध है।

सांसद श्री साहू ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास के नारे पर अमल कर हर वर्ग के उत्थान के लिए सतत प्रयत्न शील है। वे भी अपने क्षेत्र में कहार, निषाद, केवट, मांझी समाज की समस्याओं का तत्काल निराकरण की दिशा में प्रयास कर रही हैं। भाजपानीत केंद्र और राज्य सरकार समाज के परंपरागत काम को आगे बढ़ाने का प्रयास निरंतर कर रही है। गरीब कल्याण, जन कल्याण की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। सभी पात्र हितग्राहियों को इसका लाभ मिल रहा है। माननीय प्रधान मंत्री श्री मोदी जी हर जाति, हर समाज के कल्याण का काम कर रहे हैं।

कार्यक्रम को पूर्व विधायक नत्थन शाह कवरेती एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती किरण खातरकर सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने कहार मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्यादित देहगांव खुर्द तामिया को मत्स्य पालन के लिए जलाशय का पट्टा दस वर्ष के लिए प्रदान किया।

बाज नहीं आ रहे नरवाई जलाने वाले

अमरवाड़ा। कलेक्टर जिला दंडधिकारी के आदेश में तहसीलदार अमरवाड़ा के निर्देशन पर नरवाई जलाने के विरुद्ध नरवाई जलाने में भारतीय नागरिक सुरक्षा सरिता की धारा 163 के अंतर्गत ग्राम पटवारी मनोज यूकेर ने आरोपी भागलाल पिता काशीराम निवासी पौनारी, एवं शिवकुमार पिता भगलाल ने फसल काटने के उपरांत नरवाई में जानबूझकर आग लगे इसी प्रकार ग्राम पिपरिया निवासी अननों पिता चेतू, कोड़ी पिता धनलाल, संतराम, दशरथ पिता कुंदन लाल, मैं भी नरवाई में आग लगाई है जिससे कलेक्टर एवं शासन के आदेश का उल्लंघन करने पर बी एन एस की धारा 223 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर प्रकरण में कार्यवाही की गई

सूचना

मैं, मोहम्मद हाफिज़उद्दीन खान आत्मज मोहम्मद मुफीज़ अली निवासी क्र 88/03 Panama Canteen 3 EME Centre Bhopal Bairagarh 462031 घोषणा करता हूं कि मेरी पुत्री कु. फजिआ साहनी है जो की आर्मी पब्लिक स्कूल भोपाल की कक्षा नवी की छात्रा है। इसके स्कूल के दस्तावेजों में जन्म तारीख 02.04.2011 त्रुटि बस गलत दर्ज हो गई है जो कि गलत है, वास्तविक जन्म तारीख 02.07.2012 है। जो सही है जिसके प्रमाणीकरण हेतु जन्म प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी संलग्न है यही सही और इसी को जाना पहचाना जाए।

सूचना

मैं, मोहम्मद हाफिज़उद्दीन खान आत्मज मोहम्मद मुफीज़ अली निवासी P 88/03 Panama Canteen 3 EME Centre Bhopal Bairagarh 462031 घोषणा करता हूं कि मेरी पुत्री कु. अनीशा साहनी है जो की आर्मी पब्लिक स्कूल भोपाल की कक्षा दसवीं की छात्रा है। इसके स्कूल के दस्तावेजों में जन्म तारीख 03.06.2009 त्रुटि वश गलत दर्ज हो गई है जो कि गलत है, वास्तविक जन्म तारीख 03.06.2011 है। जो सही है जिसके प्रमाणीकरण हेतु जन्म प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी संलग्न है यही सही और इसी को जाना पहचाना जाए।

प्रदेश युवा कांग्रेस का चुनाव कार्यक्रम घोषित, 27 अप्रैल से छह मई तक नामांकन होंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश युवा कांग्रेस का चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके लिए 27 अप्रैल से छह मई तक नामांकन की प्रक्रिया होगी। इस दौरान नामांकन पर दावे-आपत्ति 28 अप्रैल से 7 मई तक स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन की जांच 7 से 9 मई तक की जाएगी और नामांकन को अंतिम रूप 11 मई को दिया जाएगा। 18 से 35 वर्ष की आयु वाले ही चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवायसी) एप के जरिए से वोटिंग होगी। सदस्यता के साथ ही वोटिंग का मिलेगा अधिकार। पहली बार ब्लाक अध्यक्ष का भी सीधे चुनाव होगा। सदस्य प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, जिला अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष, ब्लाक अध्यक्ष के लिए मतदान करेंगे। चुनाव प्रक्रिया लगभग पांच महीने में पूरी होगी। चुनाव की घोषणा के साथ ही युवक कांग्रेस से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल है।

जिम में बेहोश होकर गिरा शख्स सीपीआर के बाद भी नहीं बची जान

जबलपुर। यहां जिम में एक्सरसाइज करते-करते अचानक एक व्यक्ति बेसुध होकर नीचे गिर जाता है। इसके बाद जिम में मौजूद लोग उसे सीपीआर देकर उठाने की कोशिश करते रहे लेकिन वह दोबारा कभी नहीं उठा और उसकी मौत हो गई। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे देखकर हर कोई हैरत में है। बता दें कि इससे पहले भी इस तरह की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसमें लोगों को अचानक से किसी एक्टिविटी को करते-करते गिरकर मरते हुए देखा गया है। दरअसल, मामला जबलपुर के गोरखपुर इलाके का बताया जा रहा है। यहां मौजूद गोल्ड जिम में एक्सरसाइज करते-करते एक व्यक्ति बेसुध होकर नीचे गिर पड़ा। बताया जा रहा है कि एक्सरसाइज के दौरान दिल का दौरा पड़ने से शख्स की मौत हो गई है। मृतक की पहचान 52 साल के यतीश सिंघई के रूप में हुई है। यतीश रोजाना की तरह करीब 6~45 बजे जिम में मशीनों से एक्सरसाइज कर रहा था। इसी बीच अचानक दिल का दौरा पड़ने से वह नीचे गिर गया।

हार्ट अटैक आने का वीडियो सामने आया

एक्सरसाइज करने के दौरान हार्ट अटैक आने का वीडियो भी सामने आया है, जो जिम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। वीडियो में यतीश को अचानक से गिरते हुए देखा जा सकता है। हार्ट अटैक आते ही जिम के ट्रेनर और वहां मौजूद अन्य लोग भागकर यतीश के पास पहुंचे। वहां मौजूद लोगों ने सीपीआर और अन्य तरीकों से यतीश को बचाने की कोशिश की। वीडियो में यतीश सिंघई को जिम के ट्रेनर और अन्य साथी उठाकर ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। उन्हें शहर के भंडारी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन यहां पर डॉक्टरों ने यतीश को मृत घोषित कर दिया।

भोपाल में एलपीजी वितरकों की सरकार से 7 मांगें

राष्ट्रीय अधिवेशन में पदाधिकारी बोले- पहले निवेदन करेंगे, फिर अनिश्चित काल का आंदोलन

भोपाल। भोपाल के समन्वय भवन में शनिवार को एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स (सिलेंडर वितरकों) का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ, जिसमें देशभर से गैस वितरक शामिल हुए। इस बैठक में वितरकों के मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही ट्रेड की मुख्य समस्याओं को लेकर एक मांग पत्र तैयार किया गया, जिसे राष्ट्रीय पदाधिकारी सरकार के सामने रख सके।

कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के. के. धौरतिया ने कहा कि, हम सरकार से भीख नहीं, अपने अधिकारों की मांग कर रहे हैं। इसलिए पहले निवेदन करेंगे, फिर आंदोलन। इस मौके पर संगठन द्वारा वितरकों की चुनौतियों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

पदाधिकारी बोले- वितरकों का कमीशन बेहद कम

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने कहा कि एलपीजी वितरकों को वर्तमान में दिया जाने वाला कमीशन बेहद कम है। इसे कम से कम ?150 प्रति सिलेंडर किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के वेतन, वितरण में लगने वाले वाहनों की सुविधा आदि की लागत कोविड के बाद से काफी बढ़ गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ऑयल कंपनियां %कॉम्पीटीशन एक्ट% का उल्लंघन कर रही हैं। जब वे कहती हैं कि ग्राहकों को जबरदस्ती गैस नहीं देनी है, तो वही कंपनियां वितरकों पर दबाव क्यों डालती हैं?

संगठन के सात सूत्रीय मांग पत्र में यह मांगे

● कमीशन में बढ़ोतरी ● ऑयल कंपनियों से अनुबंध की समीक्षा ● एमडीजी (मार्केट डिस्ट्रीब्यूशन गाइडलाइन) एक्ट को समाप्त करना ● लीकेज समस्याओं की जवाबदेही से वितरकों को मुक्त करना ● आवश्यकता से अधिक सिलेंडर का स्टॉक देना ● उज्ज्वला योजना में पेनल्टी का मुद्दा

सेल्स ऑफिसरों के दबाव को कम करना

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने चेतावनी दी कि यदि ये मांगे पूरी नहीं हुई तो संगठन अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएगा। उन्होंने कहा, अब इस आंदोलन को अंजाम तक पहुंचाने का समय आ गया है। हर व्यक्ति 50 वितरकों को साथ लाए, ताकि मंत्रालय तक इसकी गूंज पहुंचे। देशभर में 25,000 वितरक हैं।

स्वास्थ्य अवसंरचनाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे हैं पर्याप्त बजटीय प्रावधान: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

टेलीमेडिसिन सुविधा के विस्तार के दिए निर्देश, दतिया में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि अक्टूबर माह तक डॉक्टर्स की नई भर्ती सुनिश्चित कर सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। प्राथमिक, उप-स्वास्थ्य एवं सामुदायिक केंद्रों सहित आरोग्य मंदिरों की अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु पर्याप्त बजट की व्यवस्था की जा रही है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने दतिया जिले के अपने अल्प प्रवास के दौरान जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने टेलीमेडिसिन सेवा से जिले के सभी प्राथमिक एवं उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक उन्नत विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं के प्रदाय के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के माध्यम से जिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ डॉक्टर गाँव-गाँव में बैठकर मरीजों को परामर्श दे सकेंगे। इससे मरीजों को बार-बार जिला अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं होगी और उनके समय

एवं धन की भी बचत होगी।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री संदीप कुमार माकिन ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को बताया कि जिला अस्पताल में महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पिंक अलार्म जैसी नवीन पहल प्रारंभ की गई है। साथ ही कलेक्टर श्री माकिन ने नव निर्मित दतिया एयरपोर्ट की व्यस्थाओं के संबंध में भी उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को अवगत कराया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने माँ पीताम्बरा के दर्शन कर प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने दतिया के अल्प प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध पीताम्बरा शक्तिपीठ पहुंचकर माँ पीताम्बरा के दर्शन किए एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के कल्याण एवं सुख-समृद्धि की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्राचीन वन खण्डेश्वर महादेव मंदिर पहुँचकर जलाभिषेक भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने माँ पीताम्बरा शक्तिपीठ परिसर में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने केंद्र सरकार की ÷प्रसाद योजना÷ के अंतर्गत शक्तिपीठ परिसर के सौंदर्यीकरण हेतु स्वीकृत 44.24 करोड़ रुपए की परियोजना की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्र में एडिशनल सेक्रेटरी स्तर पर बड़ा फेरबदल

24 आईएएस सहित 40 अधिकारियों की नई पदस्थापना

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को अतिरिक्त सचिव स्तर के पदों पर बड़ा फेरबदल किया। 25 अधिकारियों को अतिरिक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया, जबकि 15 अधिकारियों को भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव के पद और वेतन में पदोन्नत किया गया।

पूरी सूची इस प्रकार है

- **केशव कुमार पाठक** (आईएएस: 1990- बीएच), जो वर्तमान में इसी कैडर में हैं, को संयुक्त सचिव स्तर के पद को अस्थायी रूप से उन्नत करके कैबिनेट सचिवालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया।
- **अभिषेक सिंह** (आईएएस- 1995 एनएल) को पद के भर्ती नियमों को स्थगित रखते हुए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया। वे अपने वर्तमान पद यानी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे।
- **भुवनेश कुमार** (आईएएस~1995 यूपी), जो वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं, को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (सीईओ, यूआईडीएआई) का सीईओ नियुक्त किया गया।
- **सुमन बिल्ला** (आईएएस- 1996 केएल) को पर्यटन मंत्रालय में महानिदेशक (पर्यटन) नियुक्त किया गया। वर्तमान में, वे पर्यटन मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव हैं।
- **वीर विक्रम यादव** (आईएएस~1996 ओआर), जो वर्तमान में इसी कैडर में हैं, को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया।
- वर्तमान में इसी कैडर में कार्यरत **सनोज कुमार झा** (आईएएस~1997 एसके) को कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रिक्त पद को अस्थायी रूप से अपग्रेड करके मंत्रालय में अपर सचिव नियुक्त किया गया।
- **एमएस श्रीकर** (आईएएस 1999~केएन), जो वर्तमान में इसी कैडर में हैं, को 26.04.2025 को अपना कार्यकाल पूरा होने पर पुनीत कंसल (आईएएस~ 1996~ एसके) के स्थान पर कैबिनेट सचिवालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया।
- **मुग्धा सिन्हा** (आईएएस 1999 आरजे) को भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव के पद और वेतन पर भारत पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (आईटीडीसी) का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया। वर्तमान में, वे पर्यटन महानिदेशक हैं।
- **हिरदेश कुमार** (आईएएस~1999~एजीएमयूटी) को जनजातीय कार्य मंत्रालय में भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड) का एमडी नियुक्त किया गया। उनकी जगह आशीष चटर्जी (आईएएस~ 1999~ टीएन) को नियुक्त किया गया। वर्तमान में, कुमार भारत के चुनाव आयोग में उप चुनाव आयुक्त हैं।
- **आशीष चटर्जी** (आईएएस1999 टीएन) को इस्पात मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार नियुक्त किया गया। वर्तमान में, वह ट्राइफेड के एमडी हैं।
- **जितेंद्र श्रीवास्तव** (आईएएस~2000 बीएच) को भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव के पद और वेतन पर विद्युत मंत्रालय के आरईसी लिमिटेड के सीएमडी के रूप में नियुक्त किया गया। वर्तमान में, वे पेयजल और स्वच्छता विभाग में संयुक्त सचिव हैं।
- **एन सरवण कुमार** (आईएएस~2000~बीएच), जो वर्तमान में इसी कैडर में हैं, को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय, दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।
- **सोलोमन अरोकिराज** (आईएएस~2000~एपी) को वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया। वर्तमान में, वे डीईए में संयुक्त सचिव हैं।
- **अभिजीत सिन्हा** (आईएएस~2000~एनएल) को गृह मंत्रालय में गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव के रूप में नियुक्त किया गया।
- **अमिताभ कुमार** (आईआरएस सीएंडआईटी~1992) को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया। वे वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव हैं।
- **यतिंदर प्रसाद** (आईएएंडएएस~1993) को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें जैव प्रौद्योगिकी विभाग और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार का कार्यभार भी दिया गया है। वर्तमान में वे जनजातीय मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार हैं।
- **सौरभ कुमार तिवारी** (आईपीएंडटीएएंडएफएस~1993) को अतिरिक्त सचिव स्तर पर पद बहाल करके प्रत्यक्ष लाभ अंतरण मिशन में अतिरिक्त सचिव के पद पर नियुक्त किया गया। वर्तमान में, वे डीबीटी मिशन में संयुक्त सचिव हैं।
- **प्रभात** (आईआरपीएस~1993), जो वर्तमान में इसी कैडर में हैं, को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में अपर सचिव नियुक्त किया गया।
- **संजीव शंकर** (आईआरएस आईटी~1993) को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार नियुक्त किया गया। वर्तमान में वे सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं।
- **रूप राशि** (IA&AS~1994) को खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (चड्ढ्रष्ट), एमएसएमई मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद एवं वेतन पर सीईओ नियुक्त किया गया। वर्तमान में वे मुंबई में कपड़ा आयुक्त हैं।
- वर्तमान में इसी कैडर में कार्यरत **श्रीमती वलेती प्रेमचंद** (आईडीईएस~ 1994) को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में अपर सचिव नियुक्त किया गया।
- **विनोद कोतवाल** (आईपीएंडटीएएंडएफएस~1994) को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में डीएस/निदेशक के रिक्त पद को अस्थायी रूप से अपग्रेड करके विभाग में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया। वर्तमान में, वे फार्मास्यूटिकल्स विभाग के राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल्स मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की सदस्य सचिव हैं।
- **मिहिर कुमार** (आईडीएएस~1996) को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस स्पेशल पर्पज व्हीकल के सीईओ के रूप में नियुक्त किया गया था, जिसमें उन्हें भारत सरकार में अतिरिक्त सचिव का पद और वेतन दिया गया था। वर्तमान में, वे गृह मंत्रालय के गृह विभाग में संयुक्त सचिव हैं।
- वर्तमान में इसी कैडर में कार्यरत **होवेदा अब्बास** (आईएएंडएएस~1997) को जयदीप कुमार मिश्रा (आईसीएएस~ 1993) की विस्तारित केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अवधि में कटौती करके स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार नियुक्त किया गया।
- **अमितेश कुमार सिन्हा** (आईआरएएस~ 1997), जो वर्तमान में इसी कैडर में हैं, को **भुवनेश कुमार** (आईएएस~1995~ यूपी) के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव नियुक्त किया गया।

इसके अलावा एसीसी ने भारत सरकार के अपर सचिव के पद और वेतन में लगभग पंद्रह अधिकारियों के उन्नयन को भी मंजूरी दी है।

सूची अधिकारी इस प्रकार है

- **सोनल मिश्रा** (आईएएस~ 1997~जीजे) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय में।
- **मनीष ठाकुर** (आईएएस~ 1998~एएम) जनजातीय मामलों के मंत्रालय में।
- **इंद्रा मल्लो** (आईएएस~ 1999~एमएच) राष्ट्रीय प्राधिकरण रासायनिक हथियार सम्मेलन, कैबिनेट सचिवालय में।
- **डी. आनंदन** (आईएएस~ 2000~एसके) वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में।
- **दीपक अग्रवाल** (आईएएस~2000~ यूपी), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के तहत भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के प्रबंध निदेशक।
- **पी हेमलता** (आईएएस~ 2000~केएन), विकास आयुक्त, कोचीन विशेष आर्थिक क्षेत्र, वाणिज्य विभाग।
- **पीयूष सिंह** (आईएएस~ 2000~एमएच) विद्युत मंत्रालय में।
- **मनमीत कौर नंदा** (आईएएस~2000~ डब्ल्यूबी) सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग में।
- **अपर्णा सचिन शर्मा** (सीएसएस~1989) रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उर्वरक विभाग में कार्यरत हैं।
- **निरुपमा कोटरू** (आईआरएस आईटी~ 1992), कोयला मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार।
- **अमिता प्रसाद सरभाई** (आईआरएएस~ 1993) संस्कृति मंत्रालय में कार्यरत हैं।
- **बिस्वरंजन ससमल** (आईआरएस आईटी~ 1993) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में।
- **अमृत राज** (आई.पी.ओ.एस.~ 1994), विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय।
- **रामा शंकर सिन्हा** (आईएफओएस~1995~एजीएमयूटी) पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मत्स्य मंत्रालय में कार्यरत हैं।
- **जी. मधुमिता दास** (आईपीओएस~1996) अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्व. शिवम गोस्वामी को दी श्रद्धांजलि, परिजनों को बंधाया ढांढस

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने दतिया के गंज राजगढ़ मार्ग में दिवंगत युवा संगीतकार शिवम गोस्वामी के निवास पहुँचे। उन्होंने सड़क दुर्घटना में असमय निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने परिवार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार इस दुःख की घड़ी में परिवार के साथ है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के

लिए प्रार्थना की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल दुर्घटना में घायल आदित्य तिवारी के निवास भी पहुँचे और उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

महापौर मालती राय ने आज वार्ड 33 बल्लभ नगर में लगभग 28 लाख की लागत से सी सी रॉड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, एम आई सी सदस्य आर के सिंह बघेल, मंडल अध्यक्ष सोनू पालीवाल पदाधिकारी गण एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

प्रदेश में नई तबादला नीति लागू करने की तैयारी, 1 मई से ट्रांसफर बैन हटेगा

भोपाल। मध्य प्रदेश में ट्रांसफर पॉलिसी का इंतजार कर रहे कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए अच्छी खबर है। राज्य सरकार 1 मई से ट्रांसफर पर लगे प्रतिबंध हटा सकती है और इसके साथ ही नई तबादला नीति भी लागू हो जाएगी। लंबे समय से अटकी इस नीति का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है और कैबिनेट से इसी महीने इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है। नई तबादला नीति के तहत मई और जून का माह तबादलों के लिए निर्धारित किया जाएगा। राज्य सरकार ने जनवरी में कुछ शर्तों के साथ उच्च प्राथमिकता वाले कर्मचारियों को तबादले का अवसर दिया था, लेकिन इसके दायरे में बहुत कम कर्मचारी ही आ सकें। तब से ही कर्मचारी संगठनों द्वारा व्यापक तबादला प्रक्रिया की मांग की जा रही थी, जिस पर अब अमल होता दिख रहा है। ट्रांसफर नीति के अनुसार मंत्रियों को उनके अधीन विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के स्थानांतरण का अधिकार सौंपा जा सकता है। जिले की सीमा के भीतर होने वाले ट्रांसफर संबंधित जिले के प्रभारी मंत्री की स्वीकृति से किए जाएंगे।

विभागीय मंत्री की अनुशंसा पर होगा ट्रांसफर : जब किसी कर्मचारी का स्थानांतरण एक जिले से दूसरे जिले में किया जाना हो, तो वह विभागीय मंत्री की अनुशंसा पर आधारित होगा। ऐसे अधिकारी-कर्मचारी जो किसी एक स्थान पर तीन वर्षों से अधिक समय से पदस्थ हैं, उनका ट्रांसफर सुनिश्चित किया जाएगा, और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें किसी अन्य जिले में भी भेजा जा सकता है। किसी भी विभाग में एक बार में कुल कर्मचारियों की संख्या के अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही तबादले किए जा सकेंगे। बता दें मध्य प्रदेश में तीन साल से ट्रांसफर पर बैन लगा हुआ है। इससे पहले ट्रांसफर पॉलिसी 2021-22 लागू की गई थी।

साइबर वारियर्स की तैनाती, एमपी को मिले 5 टेक्नो-कमांडो, शुरू होगा डिजिटल क्राइम का सफाया

भोपाल। देश में बढ़ते साइबर अपराधों पर लगाम कसने के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत तैयार की गई साइबर कमांडो फोर्स अब एक्शन मोड में आ चुकी है। इस योजना के पहले चरण में देशभर से चुने गए 350 अधिकारियों को हाई-टेक ट्रेनिंग देकर साइबर कमांडो के रूप में तैयार किया गया है।

इनमें मध्यप्रदेश से 6 अफसर शामिल थे, जिनमें से 5 ने ट्रेनिंग पूरी कर ली है और राज्य को सौंप दिए गए हैं, जबकि एक अधिकारी की ट्रेनिंग अभी भी जारी है।

देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से ली तकनीकी दक्षता

साइबर कमांडो को देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों जैसे आईआईटी कानपुर, हैदराबाद, दिल्ली, मद्रास, गांधीनगर और पुणे में एडवांस साइबर सिक्योरिटी, नेटवर्क फॉरेंसिक, डिजिटल ट्रैकिंग और एथिकल हैकिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद उन्हें साइबर मुख्यालय में तैनात किया गया है, जहां वे प्रदेश की डिजिटल सुरक्षा के लिए काम करेंगे।

ऑनलाइन अपराधियों पर कसेगा शिकंजा

साइबर एडीजी ए. साई मनोहर ने जानकारी दी कि ये साइबर कमांडो अब प्रदेश में ऑनलाइन धोखाधड़ी, हैकिंग, डेटा चोरी जैसे अपराधों पर शिकंजा कसेंगे। इसके अलावा, सरकारी वेबसाइट्स को संभावित साइबर हमलों से सुरक्षित रखने और डिजिटल आपात स्थिति से निपटने की रणनीतियों में भी अहम भूमिका निभाएंगे।

5000 साइबर कमांडो का लक्ष्य मध्यप्रदेश का दूसरा बैच भी तैयार

- सरकार की योजना के मुताबिक, पूरे देश में कुल 5000 साइबर कमांडो तैयार किए जाएंगे।
- पहले चरण में 6 महीने की गहन ट्रेनिंग के बाद 350 कमांडो फोर्स में शामिल किए गए।
- अब मध्यप्रदेश के 39 सब-इंस्पेक्टरों का दूसरा बैच भी तैयार हो गया है, जो जल्द ही प्रशिक्षण के लिए नामित संस्थानों में भेजे जाएंगे।